{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 10 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 317
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे संदिग्ध को मार गिराया

अमृतसर। अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर देर रात उस वक्त हडकंप मच गया, जब बीएसएफ के जवानों ने बॉर्डर फेंस के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी, लेकिन वह रुकने के बजाय लगातार पाकिस्तान की तरफ लगी सीमा बाड़ की ओर बढ़ता रहा। खतरा बढ़ता देख बीएसएफ जवानों ने फायरिंग की, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई अमृतसर के घरिंडा थाना क्षेत्र इलाके में हुई। देर रात 181 बटालियन के जवान बॉर्डर इलाके में निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें फेंस के पास एक अज्ञात व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि नजर आई। जवानों ने उसकी हरकतों को देखते हुए उसे रुकने के लिए आवाज लगाई और चेतावनी दी।

एनालॉग पनीर का बढ़ा कारोबार, आपके स्वास्थ्य को पहुंचा रहा नुकसान

आगरा। अगर दूध जैसा पनीर का स्वाद नहीं है, पनीर में खिंचाव ज्यादा है तो सतर्क हो जाएं। संभव है कि जिस पनीर को आप खा रहे हैं या फिर खरीद रहे हैं। वह एनालॉग पनीर हो सकता है। ऐसे पनीर में प्रोटीन के बदले फैट की मात्रा ज्यादा होती है। पनीर सोयाबीन या फिर पामोलिन ऑयल, वनस्पति से बनता है। एनालॉग पनीर की बिक्री पर महाराष्ट्र सरकार ने रोक लगा दी है। इसका कारोबार 10 करोड़ रुपए सालाना है। हर दिन 150 क्विंटल की खपत है। एक साल में 70 फीसदी नमूने फेल हो चुके हैं। एडीएम सिटी कोर्ट में इन सभी के वाद चल रहे हैं।

कुछ ना कहना

10 अगस्त से संसद में बड़े संग्राम के आसार

विपक्षी एकजुटता, विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम पर तकरार और परिसीमन संशोधन की संभावनाओं के बीच मानसून सत्र के अंतिम सत्र होगा शुरू...व्हिप वॉर,

संसद के आखिरी चार दिन : संग्राम या काम?

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने अपने सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के लिए 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का सख्त थ्री-लाइन व्हिप जारी कर दिया है। विपक्षी दलों को अंदेशा है कि सरकार अगले हफ्ते विवादित विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए संशोधन विधेयक) और परिसीमन से जुड़ा महत्वपूर्ण संविधान संशोधन बिल पटल पर ला सकती है। संसद के मानसून सत्र में अब केवल 4 बैठकों का समय शेष रह गया है। गतिरोध के बीच सरकार ने एमएसएमई संशोधन विधेयक और जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण कानून बिना विस्तृत बहस के पारित करा लिए हैं। हालांकि, आने वाले चार दिनों में शक्ति प्रदर्शन की बड़ी बिसात बिछ चुकी है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल एफसीआरए बिल में प्रस्तावित उन कड़े प्रावधानों का पुरजोर विरोध कर रहे हैं जो गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज पर प्रशासनिक नियंत्रण बढ़ाते हैं। विपक्ष का तर्क है कि बिल का नया ड्राफ्ट एक ऐसी नामित अथॉरिटी बनाने का अधिकार देता है, जो विदेशी फंड प्राप्त करने वाले संगठनों का पंजीकरण रद्द या निलंबित होने पर उनकी संपत्तियों को जब्त कर सकती है। शशि थरूर जैसे वरिष्ठ नेताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने इसे संस्थागत स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया है। विपक्षी दलों का मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल थिंक टैंक, स्वतंत्र संस्थानों और विशेष रूप से ईसाई धर्मार्थ अस्पतालों व शैक्षणिक ट्रस्टों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है। इन्हीं गंभीर चिंताओं के कारण कांग्रेस ने व्हिप जारी कर अपनी पूरी उपस्थिति सुनिश्चित की है। पार्टी की रणनीति है कि यदि सरकार विधेयक पेश करती है तो सदन के पटल पर उसका जमकर विरोध किया जाए।

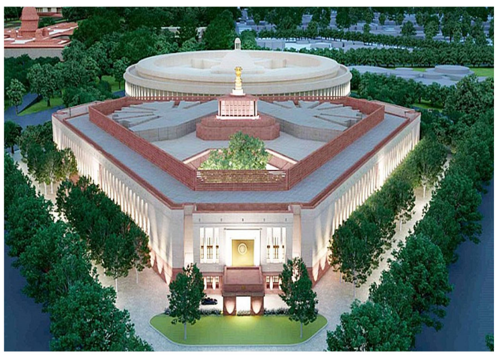

संसद के बचे दिन और पारित हुए प्रमुख विधेयक

2026 का यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और 13 अगस्त को समाप्त होने जा रहा है। इस लिहाज से 10 अगस्त से शुरू हो रहे अंतिम हफ्ते में कामकाज के लिए महज 4 दिन ही बचे हैं। लगातार जारी हंगामे और राजनीतिक खींचतान के बावजूद सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। इस सत्र के दौरान एमएसएमई विकास संशोधन विधेयक 2026 को लोकसभा और राज्यसभा दोनों से मंजूरी मिल चुकी है। इसके अलावा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक 2026 को भी विपक्षी नारेबाजी के बीच ध्वनि मत से पारित कराया जा चुका है। अब सरकार की नजर एफसीआरए संशोधन बिल और आयकर संशोधन बिल जैसे अन्य लंबित विधेयकों को जल्द से जल्द पास कराने पर टिकी है।

विपक्ष ने कसी कमर

ऐसी संभावना है कि 10 अगस्त को लोकसभा में एफसीआरए संशोधन बिल पेश किया जा सकता है। चूंकि यह बिल गृह मंत्रालय से जुड़ा है, इसलिए विपक्ष को पूरी उम्मीद है कि इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह सदन में मौजूद रहेंगे। विपक्षी गठबंधन (इंडिया ब्लॉक) के अन्य दल भी इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ सांसद ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी विपक्ष के सामूहिक एजेंडे का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि हम विपक्ष के साथ खड़े हैं और आगे भी रहेंगे। जरूरत पड़ी तो हम भी व्हिप जारी करेंगे, हालांकि हमारे सभी सांसद पहले से ही सदन में मौजूद हैं। सपा नेता ने यह भी अंदेशा जताया कि सरकार अमित शाह की जगह गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय को भी इस बिल पर चर्चा के लिए भेज सकती है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि उन्होंने भी अपने सभी सांसदों को सोमवार से सदन में मौजूद रहने के लिए कह दिया है। कुछ पार्टियां औपचारिक व्हिप जारी करती हैं, जबकि कुछ अनौपचारिक रूप से निर्देश देती हैं।

भाजपा की तैयारी

10 अगस्त को लेकर कांग्रेस के थ्री-लाइन व्हिप की खबरें सुर्खियों में हैं, जिसने विपक्षी गठबंधन इंडिया को एकजुट करने का काम किया है। बीजेपी ने सार्वजनिक रूप से कोई नया औपचारिक व्हिप जारी नहीं किया है, लेकिन सत्तारूढ़ दल ने अपने सभी सांसदों को दिल्ली में मौजूद रहने का अनौपचारिक निर्देश दिया है। गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति को लेकर बन रहे सस्पेंस के बीच बीजेपी ने अपने फ्लोर मैनेजर्स को अलर्ट पर रखा है। सरकार की कोशिश है कि सदन में कोरम या वोटों की संख्या को लेकर कोई भी अप्रत्याशित चूक न होने पाए।

डीएमके का बदला रुख और बीच का रास्ता

तमिलनाडु की पार्टी डीएमके पूर्व में परिसीमन का कड़ा विरोध करती रही है। उसका तर्क था कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दक्षिणी राज्यों को सीटें गंवाकर इसकी कीमत नहीं चुकानी चाहिए। अब डीएमके ने सीधे विरोध की जगह 3 प्रमुख शर्तें रखकर बीच का रास्ता निकालने का संकेत दिया है। पार्टी की प्रमुख मांग है कि 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों की मौजूदा सीमा को अगले 25 वर्षों के लिए फ्रीज रखा जाए या फिर सभी राज्यों के लिए 50 प्रतिशत सीटों की सीधी बढ़ोतरी की जाए। यदि सरकार डीएमके की इन शर्तों पर सकारात्मक रुख अपनाती है या राज्यों की सीटें न घटने का ठोस वैधानिक आश्वासन देती है, तो डीएमके का रुख नरम पड़ सकता है। यदि डीएमके जैसे दल वोटिंग से दूर रहते हैं या सशर्त समर्थन देते हैं, तो एनडीए सरकार के लिए दो-तिहाई बहुमत की राह काफी आसान हो सकती है।

परिसीमन और महिला आरक्षण बिल की वापसी की संभावना

संसदीय गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण से संबंधित 131वें संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा सदन में पेश कर सकती है। अप्रैल महीने में पर्याप्त आंकड़े न जुट पाने के कारण यह विधेयक अटक गया था। विपक्ष को उम्मीद है कि 2029 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के उद्देश्य से सरकार जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहती है। चूंकि यह एक संविधान संशोधन बिल है, इसलिए इसे पास कराने के लिए दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। इसी विशेष बहुमत के गणित को देखते हुए कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने व्हिप जारी कर अपने एक-एक वोट की किलाबंदी की है। विपक्ष सरकार को बिना किसी पूर्व सहमति के यह बिल पास नहीं करने देना चाहता।

राहुल गांधी ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह को घेरा, कहा

इस जुर्म का जवाब आपको देना ही पड़ेगा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ तीखा हमला बोला। गांधी ने उन पर 20 जुलाई को दिल्ली में हुए विरोध मार्च के दौरान छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस बर्बरता के लिए माफी मांगने के बजाय उन्हें क्षमा बांटने का आरोप लगाया। प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम के एक दिन बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि छात्र राष्ट्र की रोशनी हैं और वह पूरी ताकत के साथ उनके साथ खड़े हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा-कल प्रयागराज में एक छात्र ने मुझसे यही कहा। सालों की तैयारी, घर की जमीन बेची, माँ-बाप का कर्ज़ और फिर भी हाथ में कुछ नहीं। यह हार उसकी नहीं है। यह उस व्यवस्था की हार है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। राहुल गांधी ने आगे कहा कि तेरह दिन हो गए। गृह मंत्री अमित शाह के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। मोदी जी माफी मांगने की जगह क्षमा बांट रहे हैं। गांधी ने आगे कहा कि अमित शाह जी, यह मत समझिए कि हम जवाबदेही मांगना बंद कर देंगे। राजधानी की सडकों पर बच्चों पर लाठियां और पैलेट चले और आपने एक शब्द नहीं कहा। आज नहीं तो कल, इस जुर्म का जवाब आपको देना ही पड़ेगा। छात्र देश की रोशनी हैं, और मैं उनकी पूरी शक्ति के साथ खड़ा हूं।

यौन उत्पीडऩ मामले में डायरेक्टर नूरानी गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड में जोरू का गुलाम समेत कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके डायरेक्टर शकील नूरानी पर एक महिला ने यौन उत्पीडऩ का आरोप लगाया है। 73 वर्षीय शकील को मलवणी पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। उनपर 33 साल की महिला ने ये आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस ने शकील को 3 दिन की कस्टडी में रखा है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस रिपोर्ट की मानें तो नूरानी ने आगामी फिल्म प्रोजेक्ट पर चर्चा करने के बहाने एक 33 साल की एक्ट्रेस को मलवणी स्थित अपने आवास पर बुलाया था। आरोप है कि वहां उन्होंने महिला का यौन उत्पीडऩ किया। मामले में महिला को कथित तौर पर नशीला पदार्थ देने और बाद में एक कथित वीडियो के जरिए उसे धमकाने के आरोप भी शामिल है।

गंदगी में बन रही थी नमकीन, दोनों कंपनियों का लाइसेंस निरस्त

छिपकली और मक्खियों के बीच पैक हो रहा ड्राई फ्रूट

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा की निगरानी करने वाले भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दो कंपनियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की वीकेसी नट्स प्राइवेट लिमिटेड और महाराष्ट्र की छेड़ा स्पेशलिटीज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। दोनों कंपनियां खाद्य उत्पादों से जुड़ी हैं और इनके उत्पाद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी बेचे जाते हैं। एफएसएसएआई के मुताबिक, दोनों कंपनियों के परिसरों में निरीक्षण के दौरान स्वच्छता, कीट नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा से जुड़े गंभीर उल्लंघन पाए गए। नियामक ने स्पष्ट किया कि लाइसेंस निलंबन तब तक प्रभावी रहेगा, जब तक संबंधित कंपनियां आवश्यक सुधारात्मक कदम लागू नहीं करतीं।

उत्तर प्रदेश स्थित वीकेसी नट्स के परिसर के निरीक्षण के दौरान पिस्ता में जीवित कीड़े पाए गए। एफएसएसएआई के अनुसार, यह गंभीर कीट संक्रमण के जोखिम की ओर संकेत करता है। कच्चे माल के भंडारण वाले क्षेत्र की दीवारों और छतों पर भारी मात्रा में काले फफूंद और कवक भी पाए गए। जांच में प्रसंस्करण क्षेत्र में जंग लगी, गंदी और क्षतिग्रस्त मशीनरी इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई। प्लास्टिक की ट्रे, क्रेट, चाकू और अन्य कंटेनर भी पुराने, टूटे और गंदे पाए गए। निरीक्षण के दौरान परिसर के फर्श पर एक जीवित छिपकली भी मिली। उसके पास खुले क्रेट में अंजीर रखे हुए थे। इसके अलावा प्रसंस्करण क्षेत्र में विभिन्न खाद्य उत्पादों पर कई मक्खियां बैठी मिलीं। नियामक के मुताबिक, पूरे परिसर में कीट नियंत्रण की व्यवस्था प्रभावी नहीं थी। महाराष्ट्र स्थित छेड़ा स्पेशलिटीज फूड्स के निरीक्षण में भी गंभीर कमियां सामने आने के बाद लाइसेंस निलंबित किया गया।

केरलम पुलिस अधिकारी के एआई फर्जी वीडियो पर केस दर्ज

तिरुवनंतपुरम । केरलम पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) पी. विजयन का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाया गया फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। लोगों से ठगी की कोशिश में बनाए वीडियो में विजयन को वर्दी में दिखाया गया था, जहाँ उनकी तस्वीर और आवाज में हेरफेर कर पुराने नोटों की बिक्री से जुड़ी धोखाधड़ी योजना का प्रचार किया गया। इसमें बिना पंजीकरण शुल्क के 25 लाख रुपये तक कमाने का लालच दिया गया था।

यह फर्जी रील फेसबुक पर एक अगस्त को अपलोड की गई थी और साइबर निगरानी के दौरान पुलिस के संज्ञान में आई। इसके बाद सात अगस्त को तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत खुद को अन्य व्यक्ति के रूप में पेश करने, जालसाजी और साइबर धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। फेसबुक खाते से जुड़े मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या किसी को इस धोखाधड़ी से ठगा गया है और क्या अन्य पुलिस अधिकारियों या नेताओं के भी इसतरह के फर्जी वीडियो प्रसारित हुए हैं।

ममता ने कहा उन पर पत्थरों से किया गया हमला

साजिशन हमले का आरोप लगा बोलीं पूर्व सीएम- पुलिस के सामने रोका काफिला, खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर 24 परगना जिले में उनके काफिले पर पत्थरों से हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में भीड़ ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और उस पर मिट्टी, कीचड़, जूते और पत्थर फेंके। ममता ने कहा कि यदि कार की खिड़की खुली होती तो पत्थर सीधे उनके सिर पर लग सकता था और उनकी जान भी जा सकती थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पूर्व सीएम ममता बनर्जी उत्तर 24 परगना जिले में टीएमसी कार्यकर्ता बिरजू केओट के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान बिजपुर के पास स्थानीय लोगों की भीड़ ने उनके काफिले को रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर 'चोर-चोर' के नारे लगाए और उनकी कार पर पत्थर फेंके। ममता ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि उनकी गाड़ी पर हमला अचानक हुई घटना नहीं बल्कि एक साजिश थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें पहले से पुलिस को अपने कार्यक्रम और इलाके में आने की जानकारी दी गई थी, इसके बावजूद पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए।

उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में भीड़ ने उनका रास्ता रोका और कार पर हमला किया। ममता ने दावा किया कि कार पर मिट्टी और कीचड़ भी लगाया गया तथा जूते और पत्थर फेंके गए।

डीआरआई ने ट्रेन से 3 करोड़ से ज्यादा का सोना किया जब्त, आरोपी गिरफ्तार

नागपुर। नागपुर रेलवे स्टेशन पर राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 3 करोड़ 9 लाख रुपए मूल्य का विदेशी सोना जब्त किया। यह सोना भारत-बांग्लादेश सीमा से तस्करी कर लाया गया था और ट्रेन के जरिए कहीं ओर ले जाया जा रहा था। डीआरआई की नागपुर टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध यात्री को पकड़ा और उसके पास से सोने के 16 बिस्किट बरामद किए। जानकारी के मुताबिक बरामद सोने का कुल वजन 2.165 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 9 लाख रुपए बताई गई है। डीआरआई अधिकारियों को सूचना मिली थी कि तस्करी का सोना ट्रेन से कहीं ले जाया जा रहा है। इसके बाद अधिकारियों ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध यात्री की निगरानी शुरू की और उसे पकड़ लिया। तस्करी के सोने को छिपाने के लिए आरोपी ने खास तरीका अपनाया था। सोने के बिस्किटों को पेंट की रंगीन सेलोटेप से लपेटने के बाद पुराने अखबार में बांधकर रखा था, जिसका मकसद सोने की पहचान छिपाना और तलाशी के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देना था। डीआरआई को मिली पुख्ता खुफिया जानकारी के कारण तस्कर की योजना विफल हो गई।

4 हाई कोर्ट में 30 नए जजों की नियुक्ति

नई दिल्ली। देश की अदालतों में लंबित मामलों का बोझ लगातार एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार ने न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने चार हाई कोर्ट में कुल 30 जजों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इन नियुक्तियों में सबसे ज्यादा 15 जज मद्रास हाई कोर्ट को मिले हैं। माना जा रहा है कि नए जजों की नियुक्ति से अदालतों में खाली पड़े पदों को भरने और लंबे समय से लंबित मामलों के निपटारे में मदद मिलेगी।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, इन 30 नियुक्तियों में 20 वकील और 10 न्यायिक अधिकारी शामिल हैं। राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से विचार-विमर्श के बाद इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। अब नए जज आने वाले दिनों में शपथ लेकर अपना कार्यभार संभाल सकते हैं। इस कदम का उद्देश्य रिक्त पदों को भरना और लंबित मामलों के बोझ को कम करना है। चार हाई कोर्ट में सबसे ज्यादा नियुक्तियां मद्रास हाई कोर्ट में हुई हैं। यहां कुल 15 जज नियुक्त किए गए हैं।

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर चार्जशीट दाखिल

4 एनएचएआईरोड प्रोजेक्ट्स से 187 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, उसके पूर्व डायरेक्टर सतीश सेठ और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम पीएमएलए के तहत चार्जशीट दाखिल की है। यह कार्रवाई नई दिल्ली के द्वारका जिला अदालत स्थित विशेष पीएमएलएकोर्ट में 8 अगस्त को की गई।

ईडी ने इस मामले में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आरोप लगाया है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआईकी चार रोड प्रोजेक्ट्स के सार्वजनिक पैसों का इस्तेमाल सडक़ निर्माण में करने के बजाय फर्जी कंपनियों के नेटवर्क के जरिए कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया।

फर्जी बिल और डायमंड इम्पोर्ट के बहाने मनी लॉन्ड्रिंग

इस मामले की नींव मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 11 फरवरी 2026 को दर्ज की गई एफआईआर(सं. 172/2026) पर टिकी है। आर्थिक अपराध शाखा की जांच में सामने आया था कि फर्जी दस्तावेजों और बैंक खातों की मदद से कई शेल कंपनियां बनाई गईं। इन शेल कंपनियों का इस्तेमाल जाली इनवॉइस यानी फर्जी बिल और अत्यधिक कीमत पर हीरे इम्पोर्ट दिखाने के बहाने फंड की आवाजाही और विदेश पैसे भेजने के लिए किया जा रहा था। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

अधिकार रैली निकालकर समाज ने मांगा हक अधिकार, विभिन्न चौक चौराहो में किया सामूहिक नृत्य, तो विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आदिवासियों की विशिष्ट जीवन शैली के महत्व को बरकरार रखने के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ की घोषणा के अनुरूप केवल भारत देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में 9 अगस्त के दिन को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है।जहां आदिवासियों की सभ्यता, उनकी संस्कृति, वेशभूषा और उनके अधिकारों के संरक्षण की बात दोहराकर उनके हक, अधिकारों को लेकर जन जागरूकता देने के साथ-साथ आदिवासियों के योगदान को भी याद किया जाता है।इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 9 अगस्त रविवार को जिला मुख्यालय सहित तहसील व ग्रामीण अंचलों में विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आदिवासी समुदाय के लिए समर्पित इस दिन विशेष पर आदिवासी समाज द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जिसका मुख्य समारोह नगर मुख्यालय में आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों में आदिवासी समुदाय द्वारा नगर में निकाली गई अधिकार रैली मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रही।

गोगो पूजा से हुई कार्यक्रम की शुरुवात

आदिवासी बाहुल्य, बालाघाट जिले में आदिवासी समाज ने 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाया। विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार की सुबह वारासिवनी रोड स्थित रानी दुर्गावती चौक में गोंगो पूजन का आयोजन कर कार्यक्रम की शुरूवात की गई।जिसके बाद सामाजिक रैली निकाली गई।जिसमें आदिवासी समाज अपने पारंपरिक वेशभूषा में नजर आया। 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गोंगो पूजा, नगर भ्रमण, संवैधानिक अधिकार रैली, महापुरुषों के छाया चित्र पर माल्यार्पण, अतिथियों का सम्मान, सांस्कृतिक और मंचीय कार्यक्रम, के आलावा उद्बोधन और पुरस्कार वितरण सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जो सुबह से लेकर देर शाम तक चलते रहें।इस दौरान गोंड समाज, परधान समाज ,कोल समाज, माना समाज, हल्बा समाज, कंडरा समाज, बिझवा समाज,बैगा समाज, ओझा समाज,ओतकरी समाज ,भारिया समाज, नगारची समाज, गोंडी लुहार समाज सहित समाज के विभिन्न वर्गों, संगठनों उनके पदाधिकारी सदस्यों सहित सभी सामाजिक बन्धु प्रमुख रूप से सभी कार्यक्रमों में पारंपरिक वेशभूषा साधारण कर शामिल हुए।

अधिकार रैली रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आदिवासियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन मुख्यालय में किया गया। कार्यक्रम स्थल वीरांगना रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन व चौक से सामाजिक रैली निकाली गई। जिसे अधिकार रैली का नाम दिया गया।इस रैली में शामिल आदिवासी समाज के लोगो ने डॉ विश्वेश्वरैया चौक, अंबेडकर चौक, हनुमान चौक, काली पुतली चौक, जय स्तंभ चौक सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहो में गोल घेरा बनाकर सामूहिक रूप से पारंपरिक आदिवासी नृत्य पेश किया।जहां पेश किया गया पारंपरिक नृत्य और अधिकार रैली मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रही।

समाज के उत्थान की ज्यादातर योजनाएं कागजों में है-दिनेश धुर्वे

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमो की जानकारी देते हुए मप्र आदिवासी विकाश परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे सहित अन्य वक्ता व अतिथियों ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस को पर्व के रूप में जिले का आदिवासी समाज मनाता आ रहा है, लेकिन यह विडंबना है कि जिले के आदिवासी, मुख्यधारा से आज तक जुड़ नहीं पाये है।आज भी आदिवासियों के उत्थान और विकास की योजनायें, कागजो पर ज्यादा है, जबकि धरातल पर योजनाए नहीं पहुची है।सभी योजनाओ का लाभ भी समाज के लोगो को नही मिल रहा है।जिससे आदिवासी समाज, आज भी वंचित और पिछड़ापन का शिकार है।आजादी के कई साल बीत जाने के बावजूद भी आज भी आदिवासी समाज, समस्याओं से ग्रसित है।आदिवासियों पर अत्याचार थमने का नाम नही ले रहे है। अधिकार रैली के माध्यम से उन्ही हक अधिकारो को मांगा जा रहा है।

प्रकृति के सबसे करीब माने जाने वाला हमारा आदिवासी समाज है-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आदिवासी समुदायों के अधिकारो की रक्षा, उनकी अनमोल संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के लिये म.प्र .आदिवासी कंडरा समाज संगठन वारासिवनी ने विश्व आदिवासी दिवस पर समारोह का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, भाजपा युवा नेता समीर बिसेन, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, आलोक खरे पूर्व नपा अध्यक्ष सहित अन्य लोग शामिल हुये। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज का दिन संयुक्त राष्ट्र के द्वारा आदिवासी भाईयों के सामाजिक व आर्थिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये समर्पित है। आज पुरा विश्व प्रकृति से खिलवाड के कारण परेशान है। धरती तक गर्म हो रही है किंतू आज भी आदिवासी वर्ग प्रकृति के सबसे ज्यादा करीब है उनके बुजुर्गो ने बेतहाशा मेहनत की है। उसका मकान भले ही छोटा है किंतू हम सबसे ज्यादा सुख सकून से आदिवासी वर्ग ही है और आज के समय में भी इसी वर्ग को सबसे ज्यादा ईमानदार होने की बात कही जाती है। हम आज भी उनके साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हर स्थिति में साथ है। श्री जायसवाल ने कहा की आज वारासिवनी क्षेत्र चौतरफा विकास की तरफ कदम तेज गति से कदम बडा रहा है। अब तो जिले के लोग तक कहते है की जिला छोटा और वारासिवनी तहसील बडी हो गयी है। अगर क्षेत्र आगे बड रहा है तो यह समाज भी शनै शनै आगे बड रहा है। इस विकास की गति का लाभ इस समाज को भी मिले यह हम विशेष रूप से ध्यान रख रहे है । इस दौरान रमेश बोरकर ,सुरेश करण, सेवक बोरकर,संतोष कलाईत, लतेश पिंडेवार, रितेश करण, धीरज हांडे, रवि करण सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पंन

संभाग स्तरीय एथलेटिक्स चयन परीक्षण का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में नवोदय विद्यालय समिति भोपाल संभाग के तत्वावधान में आयोजित रीजनल लेवल एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता २०२६-२७ का सफलता पूर्वक एवं गरिमामय समापन हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भोपाल संभाग के बालाघाट नवोदय विद्यालय सहित ४२ जवाहर नवोदय विद्यालयों से ५४७ छात्र.छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इस प्रतियोगिता में १०० मी.,२००मी., ४०० मी.,८०० मी., १५००. मी. दौड़ , रिले दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो सहित अनेक एथलेटिक्स स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। यह संपूर्ण आयोजन विद्यालय के प्राचार्य संदीप कुमार जैन एवं उपप्राचार्य रणबीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में ,स्पोर्ट्स टीचर बनीक ,श्रीमती सुनीता सिंह के सहयोग से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के प्रारंभ में प्राचार्य ने सभी बाहरी विद्यालयों से आए एस्कॉर्ट शिक्षकों के साथ बैठक आयोजित कर दो दिवसीय कार्यक्रम,प्रतियोगिताओं की समय सारिणी, विभिन्न इवेंट्स की जिम्मेदारियाँ तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। सभी तैयारियाँ सुव्यवस्थित एवं योजनाबद्ध ढंग से की गई थीं। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों एवं एस्कॉर्ट शिक्षकों के लिए आवास, भोजनए पेयजल, चिकित्सा, परिवहन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के दौरान बीच बीच में वर्षा होने के बावजूद सभी स्पर्धा ँ सफलतापूर्वक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हुईं। इस अवसर पर बालाघाट जिले के अनेक खेल प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेलों की तकनीक, अनुशासन, खेल भावना तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते हुए सभी आगंतुक खिलाडियों एवं अतिथियों का सत्कार किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं सहयोगी स्टाफ ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ग्राम पंचायत सावरी से लोधी टोला मार्ग एवं पुलिया जर्जर

आवागमन ठप होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश, जावेद अली ने किया मौका निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलाँजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सावरी से लोधी टोला को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग और उस पर बनी पुलिया वर्तमान में अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं। सड़क पर बने गहरे गड्ढे और क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित और खतरनाक हो चुका है। रोजाना ग्रामीणों किसानों और विशेष रूप से छात्र छात्राओं को जान जोखिम में डालकर यहां से गुजरना पड़ रहा है, जिससे क्षेत्र में भारी असंतोष और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस जर्जर मार्ग और पुलिया के नवनिर्माण को लेकर पूर्व में कई बार शासन प्रशासन और संबंधित विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद आज तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सड़क निर्माण नही होना अब ग्रामीणों के लिए एक बड़ा संकट बन चुका है। बरसात के समय और सामान्य दिनों में भी स्कूली बच्चों को सावरी आने जाने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है। समस्या की गंभीरता की जानकारी मिलते ही कांग्रेस राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली ने सावरी पहुंचकर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने क्षतिग्रस्त पुलिया और जर्जर रोड़ का बारीकी से निरीक्षण किया तथा प्रभावित ग्रामीणों व छात्र छात्राओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर स्थिति को गंभीर बताते हुए जिलाध्यक्ष जावेद अली ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक विषय है कि बार बार मांग करने के बाद भी शासन प्रशासन बेखबर बना हुआ है। उन्होंने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीणों और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग तथा पुलिया का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से स्वीकृत कर शुरू कराया जाए। इस अवसर पर विचार मंच के जिला महासचिव अजबलाल क्रृपगये, पूर्व सरपंच अशोक लिल्हारे, सेवा दल नगर अध्यक्ष महेश दमाहे, राहुल.प्रियंका गांधी विचार मंच नगर अध्यक्ष विकास कृपगये, ब्लॉक महामंत्री अल्ताफ कादरी, राम प्रसाद लिल्हारे, राजेश कोलते सहित अन्य बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में विशु मतेल ने बेहतर प्रदर्शन कर जिला का नाम किया रोशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तमिलनाडू कोयम्बटूर में 28 जुलाई से 8 अगस्त तक आयोजित जुनियर नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में बालाघाट हॉकी संघ के खिलाड़ी विशु मतेल ने बेहतर खेल का प्रदर्शन कर म.प्र टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। इस संबंध में बालाघाट हॉकी संघ के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि जूनियर नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप के लिए जिले से विशु मतेल का चयन किया गया था। इस प्रतियोगिता का फायलन मैच उड़ीसा व मध्यप्रदेश टीम के बीच खेला गया। इसमें उड़ीसा ने 1-0 गोल से मैच जीता। इस टूर्नामेंट में बालाघाट नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के खिलाड़ी विशु मतेल ने म.प्र टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के लिए म.प्र के 18 खिलाडियों का चयन किया गया था। इसमें विशु मतेल भी शामिल थे। नेशनल हॉकी चैम्पियनशिप में म.प्र टीम के उपविजेता बनने व विशु मतेल के बेहतर प्रदर्शन के लिए हॉकी संघ के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, रमेश रंगलानी, सचिव विजय वर्मा, उपाध्यक्ष साक्षी लिल्हारे, अभय सेठिया, ऋषभदास वैद्य, पूरनसिंह भाटिया, सुशील वर्मा, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, मकरंद अंधारे, तुषार मानकर, प्रमोद तिवारी, राधेलाल दौने, राजकुमार शांडिल्य, राजेश सेवईवार, रमेश उके, गोपाल धुर्वे, सत्यम वर्मा, आकाश लिल्हारे, सत्यम बरडे, जावेद खान सहित अन्य ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी है।

श्रीमती जानकी नगपुरे
आपको
जन्मदिवस की
ढेरों शुभकामनाएं

शुभेच्छु - जी.एस नगपुरे (पति)
प्रिंसी-प्रवीण ठाकुर (बेटी-दामाद)
डॉ. मिनल नगपुरे (बेटी)
प्रिसा, परीसा ठाकुर (नातिन)
एवं समस्त नगपुरे परिवार, बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

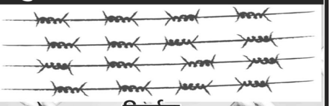

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बस स्टैंड में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

करीब 3 घण्टे बाद 108 पहुँचने पर लोगो ने जताई नाराजगी, कहा महज 500 मीटर दूर है जिला अस्पताल, फिर भी आने में लग गए 3 घण्टे

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के प्रमुख और हमेशा व्यस्त रहने वाले बस स्टैंड परिसर में रविवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पेट्रोल पंप परिसर स्थित महावीर होटल के सामने एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सुबह बस स्टैंड पहुंचे लोगों की नजर जब शव पर पड़ी तो देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 और कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के दुकानदारों तथा मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की। प्रथम दृष्टया मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है।

शव मिलने से मचा हड़कंप

रविवार सुबह बस स्टैंड परिसर में रोजाना की तरह लोगों की आवाजाही शुरू हो चुकी थी। इसी दौरान पेट्रोल पंप परिसर में महावीर होटल के सामने एक व्यक्ति का शव दिखाई देने से वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस और डायल-112 को दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को देखकर आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी भी व्यक्ति ने मृतक को पहचानने की पुष्टि नहीं की।जिसपर पुलिस ने करीब 3घन्टे बाद,मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए पीएम के लिए शव को जिला अस्पताल पहुंचाया है।

एक घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस, लेकिन शव उठाने वाला कोई नहीं

घटना को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी एंबुलेंस की व्यवस्था को लेकर सामने आई। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस द्वारा सूचना दिए जाने के बाद करीब एक घंटे बाद108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची, लेकिन एंबुलेंस में शव को उठाकर वाहन तक पहुंचाने के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। शव को उठाने के लिए अन्य किसी प्रकार की सहायता नहीं मिलने के कारण एंबुलेंस शव लिए बगैर ही वापस लौट गई।

3 घण्टे बाद शव लेने आई एम्बुलेंस

इसके बाद डायल-112 के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों द्वारा 108 एंबुलेंस कंपनी के कार्यालय में लगातार फोन लगाकर शव ले जाने की सूचना दी जाती रही। बताया गया कि इस पूरी प्रक्रिया में करीब तीन घंटे का समय लग गया। अंततः एंबुलेंस के माध्यम से अज्ञात व्यक्ति के शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

महज 500 मीटर दूर जिला अस्पताल, फिर भी तीन घंटे का इंतजार

इस पूरी घटना को लेकर मौके पर मौजूद लोगों में खासी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना था कि जिस स्थान पर शव मिला, वहां से जिला अस्पताल की दूरी महज करीब 500 मीटर है। इसके बावजूद शव को अस्पताल पहुंचाने में करीब तीन घंटे का समय लगना स्वास्थ्य और आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।लोगों का कहना था कि यदि किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो ऐसी स्थिति में शव को सुरक्षित तरीके से अस्पताल पहुंचाना प्रशासन और संबंधित व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन यहां सूचना मिलने के बाद भी एंबुलेंस व्यवस्था में समन्वय का अभाव दिखाई दिया। पहले एंबुलेंस आने में समय लगा और जब एंबुलेंस पहुंची तो शव उठाने के लिए कर्मचारी नहीं था। इसके बाद दोबारा व्यवस्था होने में भी काफी समय लग गया।

काले बैग से भी नहीं खुला मृतक की पहचान का राज

उधर, कोतवाली पुलिस द्वारा मृतक की पहचान के लिए आसपास के दुकानदारों और बस स्टैंड परिसर में मौजूद लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस को मृतक के पास से एक काले रंग का बैग मिला है। बैग के अंदर कुछ कपड़े और कागजात भी मिले हैं। पुलिस ने इन सामग्रियों की जांच की, लेकिन फिलहाल उनसे मृतक की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है।

मौत कब और कैसे हुई, जांच का विषय

उधर करीब 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत स्वाभाविक है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अब मृतक की पहचान के साथ-साथ उसकी मौत के कारणों का भी पता लगाने में जुटी है।

सभी थानों को भेजा गया रेडियो मैसेज

कोतवाली पुलिस के अनुसार मृतक की शिनाख्त के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। मृतक के पास मिले बैग, कपड़े और कागजात की जांच के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा मृतक की पहचान के लिए जिले के सभी थानों को रेडियो मैसेज (आरएम) भेजा गया है, ताकि यदि किसी थाने में किसी व्यक्ति की गुमशुदगी दर्ज हो तो उसका मिलान किया जा सके।पुलिस के अनुसार फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। शिनाख्त होने के बाद ही उसके बारे में विस्तृत जानकारी सामने आ सकेगी।

व्यवस्था पर उठे सवाल

बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले स्थान पर अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने और उसके बाद शव को अस्पताल पहुंचाने में करीब तीन घंटे लगने की घटना ने आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब जिला अस्पताल घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर है, तब भी शव को अस्पताल पहुंचाने में इतना लंबा समय क्यों लगा? वहीं, मौके पर पहुंची एंबुलेंस में शव उठाने की व्यवस्था नहीं होने से भी लोगों ने नाराजगी जताई। अब देखना यह है कि पुलिस अज्ञात व्यक्ति की पहचान कितनी जल्दी कर पाती है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उसकी मौत की असली वजह क्या सामने आती है।

बैग में नागपुर नांदेड़ के मिले कागज, नाम लिखा था रवि

मृतक के पास से एक बैग मिला है। जिसकी तलाशी लेने पर, उसके बैग में एक डॉक्टर का पर्चा मिला है। जो नागपुर, नादेड़ का बताया जा रहा है। जिसमें नाम रवि लिखा है। हालांकि यह उसी की पर्ची है या मृतक कोई और है, इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि बस स्टैंड से दुकान के सामने सोए बुजुर्ग को जब जिला अस्पताल लाया गया, तो यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था

समय पर आती एम्बुलेंस तो जान बच सकती थी-जैन

स्थानीय दुकानदार प्रदीप कुमार जैन ने बताया कि काफी समय तक बुजुर्ग की सांसे चल रही थी लेकिन समय पर एम्बुलेंस नहीं पहुंची। बस स्टैंड में दुकानदार और लोग, उसकी सांसे चलने के बावजूद, उसे समय पर पास ही जिला अस्पताल ना ले जाकर, एम्बुलेंस का इंतजार करते रहे। समय रहते, बुजुर्ग को अस्पताल ले जा लिया जाता तो संभवतः उसकी जान बच सकती थी।

10-12 लावारिस कुत्तों ने चीतल पर किया हमला, तालाब में कूदकर बचाई जान

घायल चीतल को रेस्क्यू कर उपचार दिलाने की मांग, वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केवल बालाघाट नगर ही नहीं बल्कि संपूर्ण जिले में आवारा कुत्तों का आतंक इन दिनों कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। लगातार सामने आ रही इन्हीं घटनाओं के बीच रविवार को ग्राम पीपल टोला (मेंढकी) के सामने पहाड़ी क्षेत्र में लावारिस कुत्तों के झुंड ने एक चीतल पर हमला कर दिया। करीब 10 से 12 कुत्तों से घिरे चीतल ने जान बचाने के लिए तालाब में छलांग लगा दी, लेकिन कुत्तों ने तालाब में उतरकर उसका पीछा करना जारी रखा। इसी बीच आसपास खेतों में काम कर रहे मजदूरों ने किसी तरह कुत्तों को वहां से भगाया, जिसके बाद घायल चीतल तालाब के किनारे बैठा मिला। वह इतनी बुरी तरह घायल था कि खड़ा भी नहीं हो पा रहा था।

डीएफओ ने लिया मामले का संज्ञान,रेंज ऑफिस कर्मचारियों को दिए रेस्क्यू के निर्देश

बताया गया कि घटना ग्राम मेंढकी स्थित एक फार्म हाउस के समीप तालाब की पार के किनारे हुई। घटना की जानकारी मिलने पर नशा मुक्ति अभियान प्रमुख धनेंद्र हनवत मौके पर पहुंचे और घायल चीतल की स्थिति देखने के बाद वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। उन्होंने डीएफओ बालाघाट से चर्चा कर चीतल का तत्काल रेस्क्यू कर उपचार कराने का आग्रह किया। इसके बाद डीएफओ ने रेंज ऑफिस वारासिवनी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

लावारिस कुत्तों से वन्यजीवों को खतरा

घटना ने जंगल और उससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों में घूमने वाले लावारिस कुत्तों से वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कुत्तों के झुंड द्वारा वन्य प्राणियों का पीछा किए जाने और उन पर हमला करने की घटनाएं वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। विशेष रूप से चीतल, सांभर और अन्य छोटे वन्यजीव इनके आसान शिकार बन सकते हैं।ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि कोई व्यक्ति वन्यजीवों के अवैध शिकार के लिए कुत्तों का इस्तेमाल करता है तो इसकी जांच की जानी चाहिए। हालांकि, इस संबंध में किसी व्यक्ति के खिलाफ फिलहाल कोई तथ्य सामने नही आए है।

रेस्क्यू और सुरक्षा व्यवस्था की मांग

धनेंद्र हनवत ने वन विभाग से घायल चीतल को तत्काल रेस्क्यू कर समुचित उपचार उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही जंगल एवं वन्यजीव क्षेत्रों में घूम रहे लावारिस कुत्तों की समस्या के समाधान, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और यदि वन्यजीवों के अवैध शिकार में कुत्तों के इस्तेमाल की कोई शिकायत या प्रमाण सामने आता है तो उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए स्थानीय लोगों की सहभागिता भी जरूरी है। वन्यजीव और जंगल सुरक्षित रहेंगे, तभी क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन कायम रह सकेगा।

अन्नपूर्णा पंवार महिला मण्डल का सावन महोत्सव सम्पन्न

महिलाओं ने लिया झूले का आनंद,विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो की किए गए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन मास के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में विभिन्न समाज महिला संगठनों द्वारा सावन झूला हरियाली महोत्सव मनाया जा रहा है।जिसके तहत महिला मंडल व समिति द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है।इसी क ?ी में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अन्नपूर्णा पंवार महिला मण्डल द्वारा सावन झूला हरियाली महोत्सव का आयोजन किया गया।रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओ के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सावन झूला, म्यूजिक पर नृत्य कर महिलाओं ने जमकर आनंद लिया।इसके अलावा गीत, संगीत ,भजन कीर्तन सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरण किया गया। वही देर शाम सुरुचि भोज ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

हरे रंग की वेशभूषा में नजर आई सभी महिलाए

अन्नपूर्णा पंवार महिला मण्डल द्वारा अयोजित इस सावन झूला हरियाली महोत्सव कार्यक्रम के दौरान सभी महिलाएं सोलह सिंगार के साथ हरे रंग के वस्त्र में नजर आई। जिन्होंने सामूहिक रूप से हरियाली के गीत गाकर हरियाली महोत्सव का आनंद लिया।कार्यक्रम में समाज की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।पारंपरिक लोकगीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मंचासीन कार्यक्रमों ने आयोजन को जीवंत बना दिया।

बच्चों ने राधा कृष्ण की निभाई भूमिका

सावन महोत्सव व सावन झूला कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों भी आयोजित किए गए। इसमें महिलाओं व बच्चों ने शामिल होकर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। कार्यक्रम में नन्हें बच्चों को राधा कृष्ण राधा बनाया गया व उनकी पूजा की गई। राधा कृष्ण की भूमिका निभा रहे बच्चों द्वारा शानदार नृत्य की भी प्रस्तुति दी गई। भगवान श्रीकृष्ण और राधा का स्वरूप धारण कर बच्चो ने, उनकी प्रेम लीला का प्रदर्शन किया।वही महिलाओ ने श्रीकृष्ण लीलाओं के आनंद के साथ ही एकदूसरे को आपसी प्रेम, मधुरता प्रगट की।

भगवान श्रीकृष्ण और राधा के प्रेम को समर्पित है उत्सव

ऐसा माना जाता है कि विवाह के बाद घर की ल ?की अपना पहला सावन, मायके में आकर मनाती है और वह ससुराल की याद में सावन गीत गाती है।बताया गया कि, सावन का, प्रकृति की हरियाली के साथ ही धार्मिक रूप से भी अपना महत्व है, ऐसा माना जाता है कि सावन में भगवान श्रीकृष्ण और राधा ने सावन झूला में अपने प्रेम को आगे बढ़ाया था। यही कारण है कि सावन में विभिन्न सामाजिक और महिला संगठन, सावन झूला महोत्सव का आयोजन करते है।

भगवान श्रीकृष्ण और राधा की प्रेम कहानी को याद कर मनाया जाता है उत्सव- ममता चौधरी

पंवार महिला मंडल ममता चौधरी ने बताया कि सावन झूले में भगवान श्रीकृष्ण और राधा की प्रेम कहानी गाते हुए महिलाएं उनके प्रेम का उत्सव मनाती है। चूंकि सावन में चारो ओर हरियाली फैली रहती है, पेड़ो में नई कोपले निकलती है, पक्षी अपने मदमस्त होते है और इसी बीच राधा-कृष्ण, अपने प्रेम का झूला डालकर, झूला झूलते है। यह भी मान्यता है कि विवाह के बाद लड़की सावन में पहली बार मायके आती है और मायके आकर हाथो में मेंहदी रचाकर, वह सावन झूले से अपने ससुरालवालों की याद करती है।

वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों के किए जाते है आयोजन- निर्मला

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान पदाधिकारी निर्मला गौतम ने बताया कि अन्नपूर्णा पंवार महिला मण्डल का गठन वर्ष 1981 से किया गया है। हमारे संगठन द्वारा सामाजिक व रचनात्मक कार्य किए जाते है। इस वर्ष भी सावन माह के अवसर पर महिलाओं के लिए सावन झूला व सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि महिला मंडल द्वारा वर्ष भर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सावन मास में सावन झूला, दीपावली में दीवाली मिलन समारोह, होली मिलन समारोह, पौधरोपण, वार्षिक उत्सव कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम किए जाते है।

हर घर तिरंगा अभियान का साइकिल रैली से हुआ शुभारंभ

कलेक्टर कुमार सत्यम के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा, बारिश भी नहीं कम कर सकी देशभक्ति का जोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्पूर्ण देश में 09 से 17 अगस्त तक चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' का बालाघाट जिले में रविवार 09 अगस्त को साइकिल रैली एवं तिरंगा यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। जिला मुख्यालय स्थित मुलना स्टेडियम ग्राउंड से कलेक्टर कुमार सत्यम के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में लोगों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। रिमझिम बारिश भी देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रतिभागियों का जोश कम नहीं कर सकी।

साइकिल रैली मुलना स्टेडियम से प्रारंभ होकर आम्बेडकर चौक, हनुमान चौक, मेन मार्केट, काली पुतली चौक और जयस्तंभ चौक होते हुए पुनः आम्बेडकर चौक पहुंची। इसके बाद रैली का समापन मुलना स्टेडियम में हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों के हाथों में तिरंगा लहराता रहा और भारत माता के जयकारों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर रहा।

साइकिल रैली एवं तिरंगा यात्रा में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, नगर पालिका के पार्षदगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाओं, विद्यार्थी, खेल संगठनों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश

तिरंगा यात्रा के माध्यम से जिलेवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने नागरिकों से अपील की कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के दौरान अपने घरों पर तिरंगा ध्वज अवश्य फहराएं और देश के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को मजबूत करें।

रैली के दौरान बारिश के बावजूद लोगों का उत्साह देखते ही बना। हाथों में तिरंगा लेकर साइकिल से निकले अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और युवा इस अभियान के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देते नजर आए। जिले में 09 से 17 अगस्त तक चलने वाले 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजन को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

आस-पास की खबरें

पार्टी ने खोया एक सच्चा सिपाही - मनीराम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संतोष पांडे के आकस्मिक निधन से क्षेत्र और कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर ने गहरा दु:ख प्रकट कर शोक व्यक्त की है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से

श्रध्दांजलि अर्पित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीराम भोयर ने कहा कि स्वर्गीय संतोष पांडे विगत कई वर्षों से पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ पार्टी के लिए कार्य कर रहे थे। अपने लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन में उन्होंने संगठन के भीतर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अपनी अविस्मरणीय सेवाएं दीं है। श्री भोयर ने कहा कि स्वर्गीय संतोष पांडे हमारी पार्टी के एक स'चे और समर्पित सिपाही थे। उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए मेहनत की और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया। उनका इस तरह से अचानक चले जाना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरी कांग्रेस पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। हमने अपना एक निष्ठावान साथी खो दिया है। ईश्वर से प्रार्थना करते हुए श्री भोयर ने कहा कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा इस कठिन और दु:खद घड़ी में शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पांढरवानी में लगातार बिजली फाल्ट एवं लो-वोल्टेज से ग्रामीण परेशान - फिरोज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि ग्राम पांढरवानी में इन

दिनों बार-बार हो रही बिजली लाइन फाल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणजन एवं उपभोक्ता खासा परेशान है। आये दिन अघोषित बिजली कटौती और लाइन फाल्ट होने के कारण ग्रामीणों को घंटों तक बिजली सुधार का इंतजार करना पड़ता है, जिससे रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। श्री खान ने बताया कि जिस तर्ज पर क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं, उसी तर्ज पर उपभोक्ताओं को निर्बाध व स्मार्ट बिजली आपूर्ति की व्यवस्था भी मिलनी चाहिए। ग्राम पांढरवानी सहित क्षेत्र के अन्य ग्रामों मे जर्जर व पुराने बिजली तारों के कारण लगातार फाल्ट की स्थिति निर्मित होती है। इसके अलावा कम वोल्टेज की समस्या के चलते इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो जाते हैं। इसलिए विद्युत विभाग से मांग है कि जर्जर तारों व पुराने उपकरणों को जल्द से जल्द बदले तथा मेंटेनेंस एवं सुधार कार्य समय पर सुनिश्चित की जाये ताकि उपभोक्ताओं को बिजली की समस्या से राहत मिल सके।

धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

हाई स्कूल मार्ग पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का हुआ अनावरण

भव्य रैली ने किया नगर का भ्रमण, पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य रहे आकर्षण का केंद्र

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के तत्वाधान में आयोजित इस विश्व आदिवासी दिवस समारोह में सर्वप्रथम जनपद कार्यालय के सामने स्थित बड़ा देव स्थल में क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आये सर्व आदिवासी समाज के लोगों ने दोपहर 12 बजे बड़ादेव की विधि-विधान से पूजा अर्चना की एवं गोंडवाना साम्रा%य के महान क्रांतिकारियों को नमन कर झंडा वंदन किया गया। जिसके पश्चात बड़ादेव पूजा स्थल प्रांगण से ढोल-शहनाई, डीजे व झांकी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जो पारम्परिक वेशभूषा धारण किये हुए आदिवासी समाज के लोगों के द्वारा नाचते गाते नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल बिरसा मुंडा चौक पहुंची। जहां पर आमंत्रित अतिथियों द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर हाई स्कूल मार्ग पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस दौरान समाजजनों ने जननायक भगवान बिरसा मुंडा के अमूल्य योगदान और उनके बताये मार्गों को याद करते हुए उन्हें नमन किया और मंचीय कार्यक्रम के पश्चात अंत में आदिवासी परिषद् के द्वारा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से पहुंचे आदिवासी भाईयों को भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान पारम्परिक वेशभूषा धारण किये सर्व आदिवासी समाज के लोगों में भारी उत्साह नजर आया जिनके द्वारा 'जल जंगल और जमीन-ये है आदिवासियों के अधीन, एक तीर एक कमान-सारे आदिवासी एक समान, विश्व

आदिवासी दिवस-अमर रहे अमर रहे, इस देश के मूल निवासी-आदिवासी आदिवासी, बिरसा मुण्डा ना सेवा सेवा, जय बड़ा देव-जय फड़ा पेन, सजोर पेन ता सेवा-सेवा सहित अन्य नारे लगाये गये एवं एक दूसरे को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी गई।

पारंपरिक वेशभूषा में निकली भव्य रैली

सुबह से ही आदिवासी समुदाय के लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा में बिरसा मुंडा चौक पर एकत्र होने लगे थे। इसके पश्चात डीजे और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर एक विशाल एवं भव्य रैली निकाली गई। पारंपरिक परिधानों में सजे युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की उपस्थिति इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रही। रैली ने नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया, जहां जगह-जगह नगरवासियों ने रैली का स्वागत किया। भ्रमण के बाद रैली पुन: मुख्य कार्यक्रम स्थल पहुंची।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और मंचीय कार्यक्रम

प्रतिमा अनावरण के उपरांत मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच पर आदिवासी समाज के ब%चों और युवाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। लोकगीत और पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, समृध्द, संस्कृति, संरक्षण और उनके जीवन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने समाज में शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने समारोह को सफल बनाने के लिए उपस्थित सभी अतिथियों, समाजजनों और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण और उत्साहजनक माहौल में संपन्न हुआ।

कटंगझरी के एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले शासकीय एकीकृत उ%चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगझरी में शनिवार को भारत स्काउट गाइड जिला संघ बालाघाट के तत्वाधान में एक दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और परिसर को हरा-भरा बनाना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर के विभिन्न हिस्सों में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। पौधारोपण अभियान कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य संजय मेश्राम एवं स्काउट मास्टर सुरेन्द्रसिंह पन्द्रे ने संयुक्त रूप से पौधा लगाकर की। इसके बाद शाला के स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए कतारबध्द तरीके से पौधे लगाये और पर्यावरण संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजय मेश्राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और निरंतर देखभाल करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। स्काउट मास्टर सुरेन्द्र सिंह पंद्रे ने भी भारत स्काउट गाइड के सिध्दांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति की सेवा करना ही मानव जाति की स%ची सेवा है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी स्काउट गाइड और शिक्षकों ने मिलकर रोपे गये पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई और संरक्षण करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस दौरान विद्यालय का समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष पांडे का हृदयाघात से निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

विश्राम गृह में शोक सभा आयोजित, कांग्रेसियों ने अर्पित की श्रध्दांजलि

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत चिचगांव निवासी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष पांडे का 8 अगस्त की दरमियानी रात्रि में अचानक हृदयाघात (हार्ट अटैक) से दु:खद निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन की खबर फैलते ही संपूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई तथा उनके परिजनों पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष पांडे की 8 अगस्त की रात उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और जब तक उन्हें चिकित्सीय सहायता मिलती, तब तक उनका निधन हो चुका था। दिवंगत पांडे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं। 9 अगस्त को दोपहर में चिचगांव स्थित मोक्षधाम में गमगीन माहौल के बीच स्व. संतोष पांडे का अंतिम संस्कार शोकाकुल माहौल में किया गया। मोक्षधाम में उपस्थित जनसमुदाय ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की और उन्हें अंतिम विदाई दी।

विश्राम गृह में आयोजित हुई शोक सभा

वरिष्ठ कांग्रेसी संतोष पांडे के निधन पर नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में कांग्रेस पार्टी द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन धारण कर स्वर्गीय संतोष पांडे को श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया। सभा में उपस्थित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने स्व. संतोष पांडे के जीवन चरित्र एवं पार्टी के प्रति उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। आगे कहा कि स्व. पांडे जी सदैव संगठन के प्रति समर्पित रहे और क्षेत्र के विकास तथा जनसेवा के कार्यों में अग्रसर रहते थे। उनका निधन कांग्रेस पार्टी एवं क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। शोक सभा के अंत में उपस्थित सभी कांग्रेसियों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की। शोक व्यक्त करने वालों में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राकेश डहरवाल, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, पूर्व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, मनीष कुशवाहा, दीपक तोमर, मुनेन्द्र ठाकरे, कमल शांडिल्य, सुनिल जायसवाल, अमीनुद्दीन हन्फी, गोलू ब्रम्हे सहित अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल है।

घोटी से निकलेगी भव्य कावड़ यात्रा 16 को

वैनगंगा नदी के जल से होगा बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से 5 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत घोटी के सुप्रसिध्द श्री बजरंग मंदिर परिसर से प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सावन माह के उपलक्ष्य में भव्य एवं विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन आगामी 16 अगस्त को किया जा रहा है। आयोजन समिति और समस्त ग्रामवासियों द्वारा इस धार्मिक आयोजन को लेकर सभी तैयारियां व्यापक स्तर पर प्रारंभ कर दी गई हैं। आयोजित समिति के द्वारा बताया गया कि यह विशाल कावड़ यात्रा 16 अगस्त की सुबह 8 बजे श्री बजरंग मंदिर घोटी से पूर्ण विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ होगी। तत्पश्चात सभी कावड़िये एवं शिवभक्त ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ पैदल यात्रा करते हुए मां वैनगंगा के पावन तट पर पहुंचेंगे। मां वैनगंगा के पवित्र जल से अपनी-अपनी कावड़ भरकर भक्त वापस पदयात्रा करते

हुए पुन: श्री बजरंग मंदिर घोटी लौटेंगे। माँ वैनगंगा के पवित्र जल से भरे कावड़ लेकर लौटने के उपरांत सभी कावड़िये एवं श्रध्दालु देवाधिदेव बाबा भोलेनाथ एवं आदि अनादि शंकर जी महाराज का भक्तिभाव के साथ जलाभिषेक करेंगे तथा क्षेत्र की सुख-समृध्दि और जनकल्याण की कामना करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। पूरे यात्रा मार्ग में श्रध्दालुओं के लिए जगह-जगह स्वागत व जल-पान की व्यवस्था की जा रही है। धार्मिक आस्था के इस महापर्व को भव्य रूप देने के लिए आयोजन समिति के सदस्यों एवं ग्राम पंचायत घोटी के ग्रामवासियों ने संयुक्त रूप से आसपास के सभी ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के श्रध्दालुओं, कावड़ियों एवं धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर 16 अगस्त को निकलेगी भव्य सामाजिक रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वाभिमान, साहस और शौर्य की प्रतीक अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जन्म जयंती के अवसर पर 16 अगस्त 2026 रविवार को बालाघाट में भव्य सामाजिक रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में लोधी समाज के बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं, मातृशक्ति एवं युवाओं के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों के अनुसार सामाजिक रैली का शुभारंभ प्रात: 10 बजे रामा बापू उद्यान मोती गार्डन से होगा। यहां से रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचेगी। इसके बाद रैली वीरांगना रानी अवंती बाई चौक पहुंचेगी। जहां रैली का समापन

सभा के रूप में होगा।आयोजकों ने बताया कि रैली का उद्देश्य वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के अदम्य साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करना तथा समाज में एकता एवं सामाजिक चेतना का संदेश देना है।सामाजिक बंधुओं ने समस्त लोधी समाज बंधुओं, मातृशक्ति एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर रैली को सफल बनाने का आह्वान किया है। आयोजकों ने सभी से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की है।

गुड़रूघाट में गौवंश के अवशेष मिलने से फैला जनाक्रोश

सड़क पर उतरे ग्रामीण, ३ आरोपी गिरफ्तार, ४० किग्रा मांस बरामद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गुड़रूघाट में रविवार की अलसुबह गौवंश के अवशेष मिलने की घटना से समूचे क्षेत्र में भारी तनाव और हड़कंप मच गया। श्मशान घाट स्थित शिव मंदिर के समीप गाय का सिर और अन्य अवशेष पड़े होने की खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन मौके पर जमा हो गए। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मिरगपुर चौक सड़क पर बैठकर उग्र विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

शिव मंदिर के पास मिले अवशेष ग्रामीणों में रोष

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कुछ स्थानीय ग्रामीण श्मशान घाट की दिशा में पशु चराने गए थे। इसी दौरान उन्हें शिव मंदिर के निकट गौवंश का कटा सिर व अन्य अवशेष दिखाई दिए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना गुड़रूघाट के सरपंच दिलीप बिसेन और मिरगपुर के सरपंच दीपक देशमुख को दी। दोनों जनप्रतिनिधियों के मौके पर पहुँचने के साथ ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग को लेकर मार्ग चक्काजाम कर दिया। जहां पर टायर जला कर मामले में त्वरित कार्यवाही की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की जाती रही। घटना की संवेदनशीलता और माहौल की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल एवं वारासिवनी एसडीओपी भारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को निष्पक्ष और त्वरित कार्यवाही का आश्वासन देकर शांत कराया। इसके पश्चात पुलिस ने अवशेषों को अपने कब्जे में लेकर फॉरेंसिक व वैधानिक जांच हेतु भेज दिया।

३ आरोपी गिरफ्तार नेटवर्क की पड़ताल जारी

मामले की जांच के दौरान पुलिस की टीम ने गुड़रूघाट निवासी मुख्य संदिग्ध धनेन्द्र मरठे पिता थानसिंह मरठे के मकान पर छापामार कार्यवाही की। तलाशी के दौरान संदिग्ध के घर से लगभग ४० किलोग्राम संदिग्ध मांस बरामद हुआ जिसे प्राथमिक दृष्टि से गौमांस माना जा रहा है। पुलिस ने जब्त सामग्री को सील कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए इस घटना में संलिप्त तीन आरोपी राजू पिता हिरालाल रहांगडाले निवासी टेकाड़ी, धनेन्द्र पिता थानसिंह मरठे निवासी गुड़रूघाट, अभिषेक पिता धनेन्द्र मेश्राम निवासी गुड़रूघाट को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मामले का चौथा आरोपी रामनाथ मराठे निवासी मिरगपुर फिलहाल फरार है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

गौवंश अधिनियम व गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

तिरोड़ी पुलिस ने मध्य प्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीकृत किया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार घटना ९ अगस्त की अलसुबह की बताई जा रही है। पुलिस अब इस बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है कि क्या इस घटना के पीछे गौमांस की तस्करी या अवैध सप्लाई का कोई संगठित नेटवर्क सक्रिय है। एसडीओपी ने स्पष्ट किया है कि मामले में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

शमशान मार्ग पर स्थित शिव मंदिर के पास गाय काटकर फेंक दी गई थी-दीपक देशमुख

दीपक देशमुख ने बताया कि सुबह गुड्डु घाट सरपंच ने मुझे अवगत कराया कि गुड्डु घाट शमशान मार्ग पर स्थित शिव मंदिर के पास गाय काटकर फेंक दी गई थी। गाय का पूरा मांस गायब था सर और उसकी अटरिया फेक थे और कुछ लोगों को गौमांस बेचते हुए भी देखा गया था। इस संबंध में कार्यवाही किए जाने को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है, यदि कार्यवाही तत्काल रूप से नहीं होती है तो यह आंदोलन उग्र हो सकता है।

मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की है-दिलीप बिसेन

वहीं गुड़रूघाट सरपंच दिलीप बिसेन ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने भी मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो।

मामले में बारीकी से जांच की जा रही है-एसडीओपी

वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि गुड़रूघाट के शमशान मार्ग पर शिव मंदिर के पास से गौवंश का सिर एवं अन्य अवशेष बरामद किए गए हैं। मामले में तिरोड़ी थाने में गौवंश अधिनियम एवं अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है। तीन आरोपियों को राउंडअप कर मांस भी बरामद किया गया है, एक आरोपी फरार है इस मामले में अभी बारीकी से जांच की जा रही है। यह जो चैन है की गौवंश कहां से ला रहे हैं कौन कौन इसका उपयोग कर रहा है, कहीं सप्लाई तो नहीं हो रहा है इस प्रकार तमाम जानकारियां एकत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

वारासिवनी में १३ वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म मामले में निकला जनाक्रोश

पुलिस पर लापरवाही बरतने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप थाने पहुंची भीड

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गत ६ अगस्त को एक १३ वर्षीय मासूम नाबालिग बालिका के साथ घटित हुई दुष्कर्म की वारदात के बाद स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों में गहरा असंतोष और आक्रोश व्याप्त हो गया है। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा मामले में कोई ठोस कार्यवाही नही किए जाने से नाराज सैकड़ों ग्रामीणों और विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों ने ९ अगस्त को वारासिवनी थाने पहुंचकर जमकर विरोध जताया और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए।

सूने मकान का फायदा उठाकर पड़ोसी के रिश्तेदार ने किया कृत्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना वाले दिन पीडित बालिका की माता सुबह लगभग ५ बजे खेत पर गई थीं। इसके बाद सुबह ७.३०बजे बालिका के पिता और भाई भी खेत चले गए जिससे घर पर बालिका अकेली थी। सूनेपन का फायदा उठाते हुए पड़ोसी के घर आया राजेश नामक युवक जो लिंगा का निवासी है और बालाघाट के बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग पर गेटकीपर के पद पर कार्यरत बताया जाता है, घर में दाखिल हुआ और मासूम के साथ गलत काम किया। बालिका ने तुरंत घटना की जानकारी परिजनों और पड़ोसियों को दी जिसके बाद ६ अगस्त की सुबह ही मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई।

४ दिन बाद भी आरोपी न्यायालय पेश नहीं, पुलिस की सुस्ती पर उठे सवाल

मामले की जांच उपनिरीक्षक नीता मोहरे के द्वारा की जा रही थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी को पूर्व में ही राउंडअप कर लिया था लेकिन ९ अगस्त तक ना तो कार्यवाही पूरी की गई और ना ही आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। उल्टा पीडिता को बार बार बयान दर्ज कराने के लिए थाने बुलाया जाता रहा। कार्यवाही में हो रही इस लेट.लतीफी और घोर लापरवाही की खबर फैलते ही ९ अगस्त को सर्व समाज और ग्रामीणों की भारी भीड़ थाने में एकत्र हो गई। थाने में जनाक्रोश को बढ़ता देख थाना प्रभारी ने ग्रामीणों और समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले में तत्काल वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर आरोपी को शीघ्र ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना प्रभारी के इस आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत तो हुए, लेकिन जब तक पीड़िता के बयान दर्ज कर उसे सुरक्षित वापस नहीं भेजा गया तब तक ग्रामीणों की भीड़ थाने परिसर में ही डटी रही।

६ अगस्त की घटना पर आज तक ठोस कदम नही उठाना पुलिस की भयंकर लापरवाही-महेश सहारे

आदिवासी गोवारी समाज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महेश सहारे ने बताया की ६ अगस्त की घटना पर आज ९ अगस्त तक ठोस कदम नही उठाना पुलिस की भयंकर लापरवाही को दर्शाता है। संवेदनशील मामलों में तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। हमें यह भी जानकारी मिली है कि मामले को दबाने के लिए पीडिता के पक्ष को रुपयों का लालच देने की बातें चल रही हैं। हम मांग करते हैं कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिले, मामला फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए और दोषी को फांसी की सजा दी जाए। यदि निष्पक्ष कार्यवाही नहीं हुई तो हम पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समक्ष उग्र आंदोलन करेंगे।

वारासिवनी के शेरपार में ट्रेन की चपेट में आने से किसान की दर्दनाक मौत

रेल्वे पटरी पर मिला शव पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम शेरपार में शनिवार रात एक दुखद दुर्घटना सामने आई है। जहाँ खेत से घर लौट रहे ५४ वर्षीय किसान की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम शेरपार निवासी लोकचंद पिता धनसिंह बिसेन उम्र ५४ वर्ष ८ अगस्त २०२६ की शाम अपने खेत गए हुए थे। करीब रात्रि ७.३० बजे जब वे खेत से काम निपटाकर वापस घर लौट रहे थे उसी दौरान रेलवे ट्रैक पोल क्रमांक १०७७/०९ के पास पटरियाँ पार करते समय वे अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनके दोनों पैर कटकर अलग हो गए और घटना स्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। ट्रेन के अचानक रुकने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और मृतक के भतीजे महेन्द्र बिसेन ३४ वर्ष मौके पर पहुंचे। पटरियों के पास जाकर देखने पर लोकचंद का शव क्षत विक्षत हालत में पड़ा मिला। भतीजे महेन्द्र ने तत्काल परिजनों चाची तारन बिसेन को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने आशंका जताई कि खेत से घर लौटते समय अंधेरे में रेलवे ट्रैक पार करते वक्त यह दर्दनाक हादसा हुआ है। घटना की सूचना ८ अगस्त की रात लगभग १०.२५ बजे वारासिवनी थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस मौके पर पहुंची और सउनि किरण कुमार बाहेश्वर ने पुलिस कर्मचारियों के साथ मौके से शव बरामद कर विच्छेदन गृह के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया था। जिसका पोस्टमार्टम ९ अगस्त की सुबह परिजनों की उपस्थिति में किया गया। वहीं मामले में पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा १९४ के तहत मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है। परिजन रंजीत बिसेन ने बताया कि मैं माता.पिता के साथ शेरपार में रहता हूं। अभी खेती कार्य चल रहा है मैं सुबह अपनी ड्यूटी पर चला गया था। माता पिता भी खेत गए हुए थे शाम को मां घर आ गई थी पिताजी घर आने के बाद मवेशी लाने के लिए खेत गए हुए थे। इस दौरान रेलवे क्रॉसिंग पार करने के बाद एक मवेशी ऊपर रह गया था जिसे लाने के लिए गए तो वह ट्रेन की चपेट में आ गए। उनकी आंखों का ऑपरेशन हुआ था इसलिए दिखता काम था और कम सुनाई देता था जिससे यहां हादसा हुआ होगा।

इनका कहना हैं

मौखिक रूप से बताया की शेरपार रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति की ट्रेन से काटने की सूचना मिली थी। घटना की जानकारी पर शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवा दिया गया है मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

किरण कुमार बाहेश्वर
सहायक उपनिरीक्षक थाना वारासिवनी

धुमधाम के साथ मनाया विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासी संयुक्त समाज ने विभिन्न कार्यक्रम किये आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा स्थित आदिवासी भवन में संयुक्त आदिवासी समाज के तत्वाधान में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन पूर्ण गरिमा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश मडावी, अध्यक्षता कमल सिंह धुर्वे तथा विशेष अतिथि के रूप में विधायक विवेक पटेल, मानसिंह परते, अनूप सिंह उइके, गणेश कुमरे, कवनलाल वरकडे, तारसिंह मार्सकोले, अरविंद उइके, बी एल सैयाम, विनायक मरकाम और कैलाश पन्द्रे सहित अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बड़ा देव, भगवान बिरसा मुंडा, डॉ बी आर आंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पूर्व सुबह भूमका ज्ञानसिंह वल्के एवं मनोज वरकडे द्वारा विधि.विधान से भवन परिसर में बड़ा देव की पूजा अर्चना की गई। पूजन के उपरांत आदिवासी भवन से एक विशाल बाइक रैली निकाली गई। यह रैली रामपायली रोड, दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक, नेहरू चौक, आंबेडकर चौक और गोलीबारी चौक होते हुए शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर पुन: आदिवासी भवन पहुंची जहां रैली का समापन कर मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसमें विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज को शिक्षा और एकजुटता के माध्यम से आगे बढ़ाने का संदेश दिया। वहीं विधायक विवेक पटेल ने कहा कि समाज की पूर्व में की गई मांगों को पूरा कर दिया गया है। उन्होंने घोषणा की थी किचन शेड निर्माण के लिए राशि स्वीकृत कर दी गई है और जल्द ही कार्य प्रारंभ होगा। इसके साथ ही उन्होंने अगले वर्ष बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग को भी पूरा करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संयुक्त आदिवासी समाज के पदाधिकारी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आदिवासियों को बढ़ाने और हो रहे विलोपित जाति को पुनर्जीवित करने का काम किया है-राजेश मड़ावी

राजेश मड़ावी ने बताया कि विश्व आदिवासी दिवस मनाने का कारण है कि हमारा समाज की आर्थिक स्थिति दिशा और दशा दोनों में कमजोर थी। जनेवा में एक सम्मेलन हुआ १९८२ में तो वहां पर आदिवासी को बढ़ाने और हो रहे विलोपित जाति को पुनर्जीवित करने विचार किया गया। जिसके बाद १९९२ में संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व आदिवासी दिवस लागू किया जिसके माध्यम से आदिवासी जातियों को संरक्षित करने सांस्कृतिक और पारंपरिक शैली को संरक्षित करना हैं। आज हम सभी आदिवासी समाज के लोग एक जगह एकत्रित होकर यह दिवस मना रहे हैं इसमें हम अपनी आर्थिक स्थिति दशा और दिशा को सुधारने के लिए विचार करते हैं। जहां समाज के लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आदिवासी समाज को जागृत करने और आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है-गणेश कुमरे

गणेश कुमरे ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व आदिवासी दिवस संयुक्त आदिवासी समाज संगठन के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें बाइक रैली मंचीय कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। समाज को जागृत करने और आगे बढ़ाने के लिए विचार मंचन किया गया हमारे जो आदिवासी है वह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि वह यहां के मूल निवासी है। आदिवासी में ४६ जातियां आती है उन सभी को एकत्रित करने का कार्य समाज के माध्यम से किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम सामाजिक लोगों को एकत्रित कर जागरूक करने के लिए समाज के द्वारा हर समय किए जा रहे हैं। वहीं विश्व आदिवासी दिवस हम आदिवासियों का दिन है इसे हर कोई खुशी से मनाकर अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहे।

प्रगतिशील कलार समाज ने मनाया सावन झूला महोत्सव -स्मिता जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रगतिशील कलार समाज का सावन झूला महोत्सव समाज की महिलाओं के साथ प्रकृति की हरियाली के बीच और भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप सम्पन्न हुआ। नगर के गांधी बाल उद्यान में शाम के समय महिलाओं के आने का सिलसिला लंबे समय तक देखा गया। कलार समाज की संरक्षक श्रीमती स्मिता प्रदीप जायसवाल के स्वागत के साथ साथ महिलाओं ने कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुए सर्वप्रथम अपने आराध्य देव सहस्त्रबाहु भगवान की पूजा आराधना की। साथ ही श्रीकृष्ण की प्रतिमा को झूला झुलाकर कार्यक्रम की शुरूवात की गयी। पश्चात बालाघाट से आए अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कलार समाज की अध्यक्ष श्रीमती श्रीति पालेवार व आभार प्रदर्शन हर्षिता शिवहरे, मीना शिवहरे के द्वारा किया गया। कलार समाज की संरक्षक श्रीमती स्मिता प्रदीप जायसवाल ने बताया की यह महोत्सव पवित्र सावन महीने में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक और सांस्कृतिक उत्सव है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण राधा की झूला लीला की याद में झूले डाले जाते है। जिन पर झूलकर महिलायें और भक्तगण गीत गाते है आज सामाजिक महिलाओं ने भी गांधी बाल उद्यान में सावन के गीत गाकर झूला झूलकर सुहाग सामग्री वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे श्रीमती स्मिता जायसवाल, श्रीति पालेवार, मधु जायसवाल, सुशीला धनकडे, वैशाली डहरवाल, मनीषा पीपरेवार, मीना शिवहरे, हर्षिता शिवहरे, ममता पिपलेवार, मीना धुवारे, किरन डहाके, पूजा सोनेकर, अनामिका मेहरबान, पवन रेखा मंडलेकर, डॉली भोरगड़े, आरती सोनेकर, रीना चापुकर, गीता धुवारे, गीता चौरगड़े, भावना कोसरकर, प्राची सिरसाते, शिल्पा हरडे, मीना डहरवाल, मोनिका सोनेकर, श्रीमती योगिता, ज्योति डहरवाल, साधना दहीलिंगे, रेखा डहरवाल आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

जैव ईंधन-स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह।

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं। विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरुआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है। भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्रोत मजबूत होगा।

जेन-जी क्या भारतीय राजनीतिज्ञों की सोच बदल रही है

भारत आज केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं, बल्कि सबसे युवा लोकतंत्र भी है। देश की लगभग आधी आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और आने वाले वर्षों में मतदान करने वालों का सबसे बड़ा वर्ग जेन-जी और उसके बाद जेन-अल्फा होगा। ऐसे समय में यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत युवाओं के स्वभाव, सोच और लोकतांत्रिक भूमिका पर खुलकर अपनी बात रखते हैं, तो वह केवल एक सामाजिक टिप्पणी नहीं रह जाती, बल्कि उसके राजनीतिक, वैचारिक और सामाजिक निहितार्थ भी सामने आते हैं। हाल के एक कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा उनकी पीढ़ी से अधिक ईमानदार, अधिक देशभक्त और अधिक तार्किक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि नई पीढ़ी प्रश्न पूछती है या विरोध करती है, तो उसे राष्ट्रविरोधी नहीं माना जाना चाहिए। लोकतंत्र में प्रश्न करना, असहमति व्यक्त करना और व्यवस्था से जवाब मांगना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह कथन केवल युवाओं की प्रशंसा नहीं, बल्कि बदलते भारत की वास्तविकता को स्वीकार करने का संकेत भी है। वहीं क्या यह पीढ़ी भारतीय राजनीतिज्ञों की सोच बदल रही है । भारत में पीढियों का परिवर्तन केवल आयु का परिवर्तन नहीं है। यह सोच, जीवन शैली, तकनीक, शिक्षा, राजनीति और सामाजिक व्यवहार का भी परिवर्तन है। जेन-जी वह पीढ़ी है जिसने इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और डिजिटल क्रांति को बचपन से देखा है। वहीं जेन-अल्फा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन और डिजिटल शिक्षा के दौर में विकसित हो रही है। इन दोनों पीढियों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे किसी भी बात को बिना तर्क स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। वे प्रमाण मांगते हैं, डेटा देखते हैं, कई स्रोतों से जानकारी प्राप्त करते हैं और उसके बाद अपनी राय बनाते हैं। यही कारण है कि आज की राजनीति भी केवल नारों के सहारे नहीं चल सकती। उसे तथ्यों, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कसौटी पर खरा उतरना होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश का सबसे बड़ा सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन माना जाता है। उसका वैचारिक प्रभाव भारतीय राजनीति, विशेषकर व्यापक राष्ट्रवादी विमर्श, पर लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। इसलिए संघ प्रमुख का कोई भी सार्वजनिक वक्तव्य केवल व्यक्तिगत विचार नहीं माना जाता, बल्कि उसे व्यापक सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ में भी पढ़ा जाता है। मोहन भागवत का यह कहना कि हमारी पीढ़ी बड़ों की बात बिना सवाल स्वीकार कर लेती थी, लेकिन आज का युवा प्रश्न पूछता है और यह अच्छी बात है, वास्तव में भारतीय समाज में आ रहे परिवर्तन की स्वीकारोक्ति है। यह स्वीकार करना कि नई पीढ़ी को आदेश नहीं, संवाद चाहिए, अपने आप में एक महत्वपूर्ण संदेश है। भारतीय चुनावों का भविष्य अब युवाओं के हाथ में है। निर्वाचन आयोग के आंकड़े बताते हैं कि हर चुनाव में लाखों नए मतदाता जुड़ते हैं। इनमें अधिकांश जेन-जी के युवा होते हैं। अगले दस वर्षों में यही वर्ग देश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति होगा। यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बदल रहे हैं। पहले चुनाव जातीय समीकरणों, स्थानीय प्रभाव और पारंपरिक प्रचार पर अधिक निर्भर रहते थे। आज सोशल मीडिया, डिजिटल अभियान, डेटा विश्लेषण, ऑनलाइन संवाद और युवा-केंद्रित घोषणाएँ चुनावी राजनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं। ऐसे में भागवत का यह संदेश कि युवा अधिक तार्किक हैं और उन्हें सम्मानपूर्वक सुना जाना चाहिए, राजनीतिक दलों के लिए भी एक संकेत माना जा सकता है कि भविष्य की राजनीति संवाद आधारित होगी, केवल भाषण आधारित नहीं। पिछले कुछ वर्षों में देश में विभिन्न मुद्दों पर छात्र आंदोलनों, प्रतियोगी परीक्षाओं, भर्ती प्रक्रियाओं, शिक्षा नीति, रोजगार, कृषि और सामाजिक विषयों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इन आंदोलनों को लेकर राजनीतिक दलों और समाज में अलग-अलग मत रहे हैं। मोहन भागवत का यह कहना कि हर विरोध राष्ट्रविरोध नहीं होता, लोकतंत्र के मूल सिद्धांत की याद दिलाता है। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। शांतिपूर्ण विरोध और प्रश्न पूछना लोकतंत्र की आत्मा है। हालाँकि यह भी उतना ही आवश्यक है कि विरोध शांतिपूर्ण, संवैधानिक और रचनात्मक हो। हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या सामाजिक वैमनस्य किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन की शक्ति को कमजोर करते हैं। इसलिए लोकतंत्र में अधिकार और उत्तरदायित्व दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। भागवत ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में विलंब, कौशल विकास और रोजगार जैसे विषय लगातार चर्चा में हैं। आज का युवा केवल डिग्री नहीं चाहता; वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, शोध के अवसर, स्टार्टअप का वातावरण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढने् की क्षमता चाहता है। यदि शिक्षा व्यवस्था इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती, तो युवाओं में असंतोष स्वाभाविक है।इसलिए यह वक्तव्य नीति-निर्माताओं के लिए भी एक संकेत है कि शिक्षा सुधार केवल पाठ्यक्रम बदलने का विषय नहीं, बल्कि अवसरों का विस्तार करने का भी प्रश्न है। जेन-जी और जेन-अल्फा की सबसे बड़ी पहचान उनकी डिजिटल जीवनशैली है। समाचार पत्र, टेलीविजन और रेडियो आज भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सोशल मीडिया ने सूचना के प्रवाह को पूरी तरह बदल दिया है। यह पीढ़ी किसी भी समाचार को तुरंत कई स्रोतों से सत्यापित करती है। फर्जी खबरें, दुष्प्रचार और आधी-अधूरी सूचनाएँ भी इसी डिजिटल दुनिया की चुनौती हैं। इसलिए भविष्य की राजनीति में विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी होगी।राजनीतिक दलों के लिए भी यह चुनौती है कि वे केवल भावनात्मक अपील पर निर्भर न रहें, बल्कि तथ्यों और नीति-आधारित संवाद को मजबूत करें। मोहन भागवत ने युवाओं को देशभक्त बताया। लेकिन आज का राष्ट्रवाद पहले की तुलना में अधिक व्यापक स्वरूप ले चुका है। नई पीढ़ी के लिए राष्ट्रभक्ति केवल सीमाओं की सुरक्षा या राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान तक सीमित नहीं है। उनके लिए स्वच्छ पर्यावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, वैज्ञानिक सोच, तकनीकी प्रगति, लैंगिक समानता, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की सफलता भी राष्ट्र निर्माण का हिस्सा हैं। सवाल उठता है कि क्या बदल रही है संघ की भाषा ?कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समाज बदलने के साथ संगठनों की भाषा और संवाद शैली भी बदलती है। यह आवश्यक नहीं कि विचारधारा बदल जाए, लेकिन संवाद का तरीका बदलना समय की आवश्यकता बन जाता है। यदि संघ प्रमुख युवाओं के प्रश्न पूछने के अधिकार की प्रशंसा करते हैं, तो इसे बदलती सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप संवाद शैली का विस्तार भी माना जा सकता है। दूसरी ओर, कुछ विश्लेषक इसे युवा मतदाताओं तक सकारात्मक संदेश पहुँचाने का प्रयास भी मानते हैं। दोनों दृष्टिकोण लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा हैं और इन पर स्वस्थ बहस हो सकती है। इस बयान का महत्व केवल सत्तापक्ष तक सीमित नहीं है। विपक्ष के लिए भी यह उतना ही प्रासंगिक है। यदि युवा तार्किक उत्तर चाहते हैं, तो विपक्ष को भी केवल आलोचना नहीं, बल्कि स्पष्ट नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करने होंगे। इसी प्रकार सरकार के सामने भी चुनौती है कि वह रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, डिजिटल सुरक्षा, डेटा संरक्षण और नवाचार जैसे विषयों पर ठोस परिणाम प्रस्तुत करे। आज का मतदाता घोषणाओं से अधिक परिणामों का मूल्यांकन करता है। आज जेन-अल्फा के अधिकांश सदस्य मतदान की आयु से दूर हैं, लेकिन अगले 10-15 वर्षों में यही वर्ग भारत की राजनीति की दिशा तय करेगा। यह पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच बड़ी होगी।इनकी प्राथमिकताएँ पारंपरिक राजनीतिक मुद्दों से अलग भी हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, मानसिक स्वास्थ्य, वैश्विक रोजगार और तकनीकी नवाचार इनके लिए उतने ही महत्वपूर्ण होंगे जितने आज रोजगार और शिक्षा हैं।

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं होती, बल्कि संवाद, असहमति के सम्मान, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से होती है। यदि नई पीढ़ी प्रश्न पूछ रही है, तो इसे लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण माना जाना चाहिए। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में विचारों की भिन्नता स्वाभाविक है। चुनौती यह है कि मतभेद को मनभेद बनने से रोका जाए। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखते हुए संवाद की संस्कृति को मजबूत किया जाए। मोहन भागवत का जेन-जी और जेन-अल्फा पर दिया गया वक्तव्य केवल युवाओं की प्रशंसा भर नहीं है। यह बदलते भारत की उस सामाजिक वास्तविकता की स्वीकारोक्ति है, जहाँ नई पीढ़ी सम्मान के साथ संवाद, पारदर्शिता, अवसर और उत्तरदायी शासन चाहती है। इस वक्तव्य के राजनीतिक मायने कई स्तरों पर निकाले जा सकते हैं। कोई इसे बदलते राजनीतिक विमर्श का संकेत मानेगा, कोई इसे भविष्य के मतदाताओं की ओर बढ़ा हुआ वैचारिक संदेश कहेगा, तो कोई इसे लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता की स्वीकारोक्ति के रूप में देखेगा। किंतु एक तथ्य निर्विवाद है—भारत की राजनीति का भविष्य अब जेन-जी और जेन-अल्फा की आकांक्षाओं, प्रश्नों और अपेक्षाओं से अलग होकर नहीं लिखा जा सकता। आने वाले वर्षों में वही राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और नीति-निर्माता अधिक सफल होंगे, जो युवाओं को केवल मतदाता नहीं, बल्कि भागीदार मानेंगे। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति आदेश में नहीं, संवाद में है; नारे में नहीं, विश्वास में है; और भविष्य उसी का होगा जो नई पीढ़ी की भाषा, उसकी आकांक्षाओं और उसकी ऊर्जा को समझकर आगे बढ़ेगा।

-सौरभ वार्ष्णेय

अहिंसा कायरता नहीं बल्कि मानवता का उज्ज्वल प्रतीक है

अहिंसा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह केवल हिंसा का अभाव नहीं बल्कि प्रेम करुणा दया सहिष्णुता और आत्मबल का ऐसा महान संदेश है जो मानव जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाता है। अहिंसा मनुष्य को दुर्बल नहीं बनाती बल्कि उसके भीतर साहस संयम और आत्मविश्वास का संचार करती है। यही कारण है कि भारतीय मनीषियों ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च स्वरूप माना है। अहिंसा का अर्थ किसी भी जीव को मन वचन और कर्म से कष्ट न पहुंचाना है। यह केवल व्यक्तिगत आचरण तक सीमित नहीं रहती बल्कि परिवार समाज राष्ट्र और पूरे विश्व को शांति और सद्भाव का मार्ग दिखाती है।

अहिंसा की दृष्टि अत्यंत व्यापक और विराट है। इसमें संकीर्णता के लिए कोई स्थान नहीं है। यह किसी जाति धर्म भाषा प्रदेश अथवा संप्रदाय की सीमाओं में बंधी हुई विचारधारा नहीं है। जिस प्रकार गंगा का निर्मल जल सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध रहता है उसी प्रकार अहिंसा भी संपूर्ण मानवता के लिए समान रूप से उपयोगी है। यदि इसे किसी विशेष वर्ग या समुदाय तक सीमित कर दिया जाए तो इसका वास्तविक स्वरूप नष्ट हो जाएगा। अहिंसा का संदेश समस्त विश्व के लिए है और इसकी शक्ति किसी भी हथियार से अधिक प्रभावशाली मानी जाती है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि अहिंसा ने अनेक बार असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को संभव बनाया है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर अंग्रेजी शासन जैसी विशाल शक्ति को चुनौती दी। उन्होंने न तो हथियार उठाए और न ही हिंसा का सहारा लिया। फिर भी सत्याग्रह असहयोग आंदोलन और दांडी यात्रा जैसे आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांध दिया। करोड़ों भारतीयों की नैतिक शक्ति के सामने अंग्रेजी साम्राज्य को झुकना पड़ा। यह सिद्ध हो गया कि आत्मबल और सत्य पर आधारित अहिंसा किसी भी सैन्य शक्ति से अधिक प्रभावशाली हो सकती है।

अहिंसा का अर्थ कभी भी कायरता नहीं होता। कायर व्यक्ति भय के कारण संघर्ष से बचता है जबकि अहिंसक व्यक्ति अन्याय का सामना साहस और आत्मविश्वास के साथ करता है। अहिंसा वीरों का धर्म है क्योंकि इसके लिए अत्यंत धैर्य त्याग और आत्मसंयम की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति क्रोध और प्रतिशोध की भावना पर विजय प्राप्त कर लेता है वही वास्तविक अर्थों में वीर कहलाता है। हिंसा करना सरल हो सकता है किंतु क्षमा करना और शांति बनाए रखना कहीं अधिक कठिन है। इसलिए अहिंसा दुर्बलों का नहीं बल्कि आत्मबल से परिपूर्ण व्यक्तियों का मार्ग है।

अहिंसा मनुष्य को यह शिक्षा देती है कि वह अपने स्वार्थ के लिए किसी दूसरे के अधिकारों का हनन न करे। प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। किसी भी समाज या राष्ट्र के आंतरिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। विवाद चाहे व्यक्तिगत हो या अंतरराष्ट्रीय उसका समाधान संवाद समझदारी और शांतिपूर्ण प्रयासों से खोजा जाना चाहिए। यदि शांति स्थापित करने के लिए त्याग और बलिदान देना पड़े तो उससे पीछे नहीं हटना चाहिए। यही सच्ची अहिंसा का स्वरूप है।

यह भी सत्य है कि अहिंसा अन्याय को सहन करने की शिक्षा नहीं देती। अन्याय करना जितना बड़ा अपराध है उतना ही बड़ा अपराध अन्याय को कायरता के कारण स्वीकार कर लेना भी है। यदि किसी व्यक्ति समाज या राष्ट्र पर अत्याचार हो रहा हो तो उसका प्रतिकार करना आवश्यक है। अहिंसा का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य अन्याय के सामने हाथ पर हाथ रखकर बैठा रहे। यदि देश धर्म समाज और मानवता की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो साहसपूर्ण कदम उठाना भी कर्तव्य बन जाता है। इसलिए अहिंसा विवेकपूर्ण साहस का मार्ग है न कि निष्क्रियता का।

भारतीय संतों और महापुरुषों ने अपने जीवन से अहिंसा की महानता को सिद्ध किया है। भगवान महावीर ने संपूर्ण जीवन अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। उन्होंने प्रत्येक जीव में आत्मा का वास माना और सभी के प्रति दया का व्यवहार करने की प्रेरणा दी। उनके विचार आज भी विश्वभर में शांति और सहअस्तित्व की भावना को मजबूत करते हैं। महात्मा बुद्ध ने भी प्रेम करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर समाज की अनेक बुराइयों का विरोध किया। उन्होंने हिंसा और घृणा के स्थान पर मैत्री और करुणा को अपनाने की शिक्षा दी। उनके उपदेश आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं।

ईसा मसीह ने भी प्रेम और क्षमा की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने अपने विरोधियों तक के लिए क्षमा का भाव रखा और यह संदेश दिया कि यदि कोई एक गाल पर थप्पड़ मारे तो दूसरा गाल भी आगे कर दो। इस शिक्षा का वास्तविक अर्थ कायरता नहीं बल्कि घृणा का उत्तर प्रेम से देना है। यह मनुष्य के भीतर की महानता को प्रकट करता है और समाज में वैमनस्य के स्थान पर सद्भाव को बढ़ावा देता है।

आधुनिक युग में जब संसार युद्ध आतंकवाद हिंसा और कट्टरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा है तब अहिंसा की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। आज विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है किंतु साथ ही विनाशकारी हथियारों का भी निर्माण किया है। ऐसे समय में यदि विश्व को स्थायी शांति चाहिए तो उसे अहिंसा सहिष्णुता और संवाद की राह अपनानी होगी। परिवार से लेकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक हर स्तर पर प्रेम विश्वास और सहयोग की भावना विकसित करनी होगी।

अहिंसा केवल युद्ध न करने का नाम नहीं है बल्कि अपने व्यवहार विचार और वाणी में भी शालीनता बनाए रखना है। कटु शब्द भी हिंसा का रूप होते हैं और मधुर वचन भी अहिंसा की अभिव्यक्ति बन सकते हैं। जब मनुष्य अपने भीतर से घृणा ईर्ष्या और द्वेष को समाप्त कर देता है तब उसके जीवन में शांति और संतोष का उदय होता है। यही शांति समाज और राष्ट्र तक पहुंचकर विश्व शांति का आधार बनती है।

अंततः कहा जा सकता है कि अहिंसा मानव सभ्यता की सबसे महान उपलब्धियों में से एक है। यह कायरता नहीं बल्कि आत्मबल सत्य साहस और मानवता का उज्ज्वल प्रतीक है। अहिंसा हमें न्याय के लिए संघर्ष करना सिखाती है किंतु घृणा और प्रतिशोध के बिना। यह प्रेम करुणा और क्षमा के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य करती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अहिंसा के आदर्शों को अपनाए तो विश्व में शांति सद्भाव और भाईचारे की स्थापना संभव है। यही वह मार्ग है जो मानवता को विनाश से बचाकर विकास समृद्धि और स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है।

-कांतिलाल मांडोत

मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्टीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान

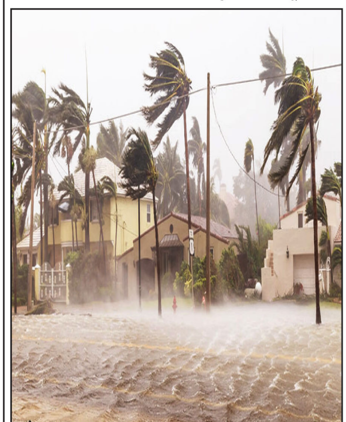

और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्टीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी। साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढें।

उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 7,150-7,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,725 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 125 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 175 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 16,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

भारतीय सेना और बुलेट का अटूट रिश्ता- भरोसे की एक ऐतिहासिक गाथा

नई दिल्ली। एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर राजपथ से लेकर दुर्गम सीमाओं तक, जब भारतीय सेना के जांबाज मार्च पास्ट करते हैं, तब उनकी वीरता के साथ रॉयल एनफील्ड बुलेट की गड़गड़ाहट विशिष्ट पहचान बन जाती है। यह रिश्ता केवल एक वाहन और उसके चालक का नहीं, बल्कि देशभक्ति, भरोसे और गौरव की एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। दशकों से बुलेट ने देश की रक्षा में, कठिन से कठिन रास्तों पर एक विश्वसनीय साथी की भूमिका निभाई है। आज़ादी के तुरंत बाद 1947-48 के युद्ध ने कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फीले व पथरीले इलाकों में गश्त के लिए मजबूत और भरोसेमंद बाइक की तत्काल जरुरत का एहसास हुआ। कठोर परीक्षणों के बाद, रॉयल एनफील्ड बुलेट 350, अपने फोर-स्ट्रोक इंजन और आधुनिक रियर सस्पेंशन के कारण, सभी सैन्य मापदंडों पर खरी उतरी। वर्ष 1952 में, भारत सरकार ने ब्रिटेन की रॉयल एनफील्ड कंपनी को बुलेट 350 की 800 यूनिट्स का पहला ऑर्डर दिया, जो 1953 में भारतीय सेना के बेड़े का हिस्सा बनीं। बढ़ती मांग और रखरखाव जरूरतों को देखकर 1955 में इंग्लैंड की रॉयल एनफील्ड और भारत की मद्रास मोटर्स ने मिलकर एनफील्ड इंडिया की नींव रखी। चेन्नई के तिरुवोट्टियूर में संयंत्र स्थापित किया गया और 1962 तक बुलेट का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही होने लगा। आज यह भारतीय कंपनी ही पूरे विश्व में रॉयल एनफील्ड ब्रांड का संचालन कर रही है। दशकों तक सीमाओं पर धाक जमाने वाली बुलेट के अलावा, आधुनिक सेना के बेड़े में अब कई नई गाड़ियां शामिल हैं। मोटरसाइकिलों में रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 और क्लासिक 500 के साथ-साथ हीरो जी.एस. 150आर, टीवीएस अपाचे और रॉयल एनफील्ड हिमालयन का उपयोग हो रहा है।

कंपनियों के नतीजे और महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार बढ़त दर्ज की, जहां सेंसेक्स 78,499.17 और निफ्टी 24,570.65 के नए स्तरों पर बंद हुए। अब निवेशकों की निगाहें इस सप्ताह कई घरेलू और वैश्विक कारकों पर टिकी हैं, जो बाजार की अगली चाल तय करेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और भू-राजनीतिक तनाव अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचएएल, भारत फोर्ज और ग्रासिम इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज फर्में शामिल हैं। कंपनियों के मुनाफे, बिक्री और भविष्य के अनुमानों पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बेहतर प्रदर्शन बाजार को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकता है, जबकि कमजोर नतीजे दबाव बना सकते हैं। 12 अगस्त को जुलाई माह के खुदरा महंगाई (सीपीआई) आंकड़े जारी होंगे, जिनके साथ थोक महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा पर भी नजर रहेगी। महंगाई के आंकड़े

इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी ब्याज दरों की नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ेगी, जो बाजार के लिए सकारात्मक होगी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में चल रहा तनाव एक बड़ा वैश्विक ट्रिगर बना हुआ है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। तनाव में कमी से वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, जबकि किसी भी वृद्धि से शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी इस स्थिति से प्रभावित होंगी, जिसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आयात बिल पर पड़ेगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। ऐसे में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें कंपनियों की लागत बढ़ा सकती हैं और देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) दोनों भारतीय बाजारों में लगातार खरीदारी कर रहे हैं। शुक्रवार को एफआईआई ने 480.24 करोड़ रुपये और डीआईआई ने 235.56 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

अल नीनो से भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतरा-एसएंडपी

नई दिल्ली। एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अन्य एशियाई देशों ने भी खाद्य भंडार बढ़ाने, आयात योजना में सुधार और सिंचाई ढांचे में निवेश जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, कृषि पर अधिक निर्भर अर्थव्यवस्थाएं और खाद्य आयात पर निर्भर उपभोक्ता गंभीर प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमी से कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग पर जोखिम की चेतावनी दी है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली। एजेंसी। डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह नि:शुल्क जारी रहेगा। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजेक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं। हाल ही में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी यूपीआई पर एमडीआर लगाने की चर्चा को समय से पहले बताया था, उनके मुताबिक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता है।

मेष- आज करियर और रोजगार के क्षेत्र में किस्मत आपका पूरा साथ देगी। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है, जबकि कार्यक्षेत्र में भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। मामा पक्ष से आर्थिक सहयोग या धन लाभ मिलने के योग हैं, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी अड़चन दूर करने के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह फायदेमंद साबित होगी।

वृषभ- आज का दिन खुशियों और संतोष से भरा रहेगा। आय के एक से अधिक स्रोत बनने से आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी और कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से मन बेहद प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों और ईश्वर की भक्ति में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। संतान के व्यवहार या भविष्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन आपकी समझदारी से स्थिति संभल जाएगी।

मिथुन- आज व्यापार और करियर में बड़ा कदम उठाने का अवसर मिल सकता है। लंबे समय से रुकी हुई कोई डील या योजना आखिरकार पूरी होने की संभावना है। नए अवसर आपके सामने दस्तक देंगे और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। संतान की पढ़ाई से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी, जिससे परिवार में राहत का माहौल रहेगा। आर्थिक मामलों में थोड़ा सतर्क रहें और बिना सोचे-समझे किसी को पैसा उधार देने से बचें।

कर्क- आज खर्चों पर नियंत्रण रखना आपकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। सुख-सुविधाओं और लाइफस्टाइल पर बढ़ता खर्च बजट बिगाड़ सकता है, इसलिए समझदारी से फैसले लें। किसी करीबी मित्र के साथ छोटी-सी बात पर मतभेद हो सकता है, इसलिए शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा, लेकिन किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। धैर्य और संयम के साथ लिया गया हर निर्णय आपके हित में रहेगा।

सिंह- आज आर्थिक मामलों में खुशखबरी मिलने की पूरी संभावना है। यात्रा लाभदायक रहेगी और आय में वृद्धि के नए रास्ते खुल सकते हैं। लंबे समय से रुके हुए सरकारी कार्य पूरे होने से राहत मिलेगी। आपकी मेहनत और लगन का पूरा फल मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार पूरे परिवार के चेहरे पर मुस्कान ले आएगा।

कन्या- आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है तो उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कठिन परिस्थितियों में भी आपका धैर्य आपको आगे बढ़ाएगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

तुला- आज व्यापार और करियर में आपके प्रयास शानदार परिणाम दे सकते हैं। जिस काम को पूरी लगन से करेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहेगी। परिवार में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी और घर का वातावरण सुखद बनेगा। आपको सौंपी गई जिम्मेदारियां आप बखूबी निभाएंगे। माता-पिता की सलाह आपके लिए सफलता का मार्ग खोल सकती है। विरोधियों की बातों में आकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें और अपने विवेक पर भरोसा रखें।

वृश्चिक- आज थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। वाहन से जुड़ी कोई छोटी परेशानी या अचानक खर्च सामने आ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें और खानपान पर विशेष ध्यान दें। जीवनसाथी का सहयोग और प्रेम आपको हर परिस्थिति में मजबूत बनाए रखेगा। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। संतान के भविष्य से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपका दिन यादगार बना सकती है।

धनु- आज सफलता आपकी ओर तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। व्यापार में लाभ होगा और नए लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। कोई सरप्राइज उपहार या सुखद समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होने से राहत मिलेगी। नौकरी बदलने या नई नौकरी मिलने के अवसर भी बन सकते हैं। यदि प्रॉपर्टी खरीदने की योजना है तो समय अनुकूल है, बस खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें।

मकर- आज का दिन धैर्य और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत अंत में सफलता दिलाएगी। पुराने लेन-देन थोड़ी परेशानी खड़ी कर सकते हैं। माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग आपके रुके हुए कामों को पूरा कराने में मदद करेगा। वरिष्ठ लोगों से बातचीत करते समय संयम रखें।

कुंभ- आज व्यापार और करियर में प्रगति के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी या अवसर हाथ लग सकता है, जो भविष्य में लाभदायक साबित होगा। दूसरों के विवादों से दूरी बनाए रखें और अपने काम पर पूरा ध्यान दें। विद्यार्थियों के लिए नई चीजें सीखने और आगे बढ़ने का बेहतरीन समय है।

मीन- आज आपके नए सपनों को उड़ान मिलने का समय है। घर, जमीन या संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और सहयोग बढ़ेगा। परिवार में लंबे समय से चली आ रही परेशानियां खत्म होने से घर का माहौल सुखद रहेगा। मां के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक चर्चा हो सकती है।

शब्दजाल - 8346

शब्द जाल में 10 खनिजों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	बॉ	क्सा	इ	ट	मैं	र	प	गो
न	का	क	अ	भ्र	क	ने	ग	ति	मा	यू
डो	दा	र	ला	मा	ग	अं	नी	ह	प	रे
ज	लो	ल	का	को	न	स	ज	ह	लि	नि
त	अ	मा	र	न	य	मे	ह	तां	न	य
अ	ना	का	इ	व	प	ला	त	बा	र	म
ग	ही	लौ	मा	ट	अ	ला	को	मा	न	ग
र	रा	भा	ह	न	प	स	र	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	अ	का	र	ण्ड	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	य	क	म	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स्क	त्ता	प	र	र

बॉक्साइट, अभ्रक, यूरेनियम, कोयला, तांबा, डोलोमाइट, मैंगनीज, हीरा, लौह अयस्क, कोरण्डम

शब्दजाल - 8345 का हल

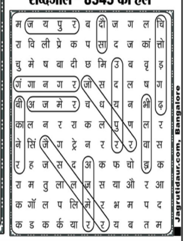

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7290

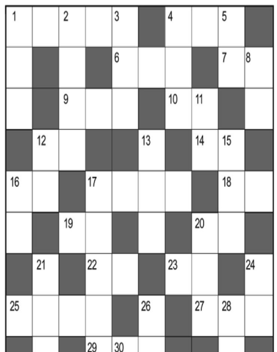

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7289

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8814

बाएँ से दाएँ

1. दुर्व्यवहार, बुरा आचरण-4
4. पंजाब की एक नदी-4
7. अनाथालय-5
9. दूसरा, पराया-2
11. चलने का तरीका-2
12. नृत्य-2
13. समीप, पास, नजदीक-3
15. बुरी आदत-2
16. नृत्य करना-3
17. प्रलोभन, हवस, तृष्णा-3
18. मालिक, ईश्वर-2
19. निहित, कारण-3
21. भाग्य(अंग्रेजी-2)
23. थूक, लेस-2
24. नवीन, नव-2
25. नयापन, अनूठापन-5
29. नामवाला, नामचिन-4
30. करिश्मा, चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1. मनोरचना, मनगढ़ंत-4
2. कोक, कहवा-2
3. कामदेव की पत्नी-2
4. मित्र, दोस्त-2
5. पेड़ का मध्य भाग-2
6. नादानी, अनाड़ीपन-4
8. बंदर नचाने वाला-3
10. रचना करने वाला-5
11. आरचण, चरित्र-5
13. कपड़े की दिवार-3
14. उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18. पूजा, प्रार्थना-4
20. खूबसुरत, सुन्दर-3
22. कहर, भूचाल-4
25. नया, नवीन-2
26. शूर, बहादूर, सूरमा-2
27. अवधि में, पर्यंत-2
28. मृत, अप्रबल-2

शब्द पहेली -8813 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.09 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	08.20 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.31 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.46 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.02 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.07 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.26 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.57 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	वृष	23.37 बजे से
		मिथुन	01.35 बजे से
		कर्क	03.49 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 222 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 08.01 बजे तदनन्तर त्रयोदशी 04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 12.27 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 22.27 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 08.01 बजे, गर 18.28 बजे तदनन्तर वणिज 04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 37' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872797 **जूलियन दिन** 2461262.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 26 **विशेष** द्वितीय श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: गुण का महत्व

धर्मराज युधिष्ठिर विद्वानों का बहुत आदर-सत्कार करते थे। एक बार उनसे दो विद्वान एक साथ मिलने आए। एक विद्वान बहुत ही सजा-संवरा था। उसने एकदम स्वच्छ श्वेत वस्त्र धारण कर रखा था, मस्तक पर चंदन का तिलक लगाया था, सिर पर पगड़ी तथा गले में रुद्राक्ष की माला धारण कर रखी थी। उसने माला फेरते हुए महल में प्रवेश किया। दूसरा विद्वान साधारण वेशभूषा में था। धर्मराज सजे-संवरे विद्वान से अधिक प्रभावित हुए, इसलिए वार्तालाप के लिए उसे ही प्राथमिकता दी। विचार-विनिमय के बाद धर्मराज ने कोषाध्यक्ष को निर्देश दिया कि उस विद्वान को उचित संख्या में स्वर्ण मुद्राएं देकर सम्मानपूर्वक विदा किया जाए। उसके बाद साधारण वस्त्रधारी दूसरे ब्राह्मण की बारी आई। धर्मराज की ओर से वार्ता अत्यंत साधारण तरीके से प्रारंभ हुई, पर धीरे-धीरे उन्हें चर्चा में आनंद आने लगा और वह विचार-विनिमय में इतने खो से गए कि कितना समय निकल गया, उन्हें पता ही नहीं चला। इस वार्ता में शास्त्रों के कठिन विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। अंत में धर्मराज ने स्वयं अपने हाथ से विद्वान को स्वर्ण मुद्राएं दीं तथा राजभवन के द्वार तक आकर विदा किया। वायुपुत्र भीम को, जो पास ही खड़े थे, धर्मराज के दोनों विद्वानों से व्यवहार का तरीका समझ में नहीं आया। उन्होंने पूछा, 'माननीय, यह क्या? प्रथम विद्वान का आरंभ में सम्मान तथा दूसरे का अंत में। कृपया इसके मर्म को समझाएं।' धर्मराज मुस्कराए, फिर बोले, 'प्रथम विद्वान ने वस्त्रों से प्रभावित करना चाहा। कुछ देर के लिए वह सफल भी रहा इसलिए वह मुझसे प्राथमिक लाभ ले गया। पर विद्वता तो वस्त्रों में नहीं, मस्तिष्क में वास करती है। वह उतना विद्वान न निकला, जितना उसका दिखावा था। दूसरा विद्वान बड़ा मनीषी सिद्ध हुआ। उसने अपना ज्ञान ऊपरी आडंबर से नहीं, विचार-विमर्श से दर्शाया। वह मेरे अनुमान से कहीं अधिक तत्ववेत्ता निकला। इसलिए मैंने उसका अंत में अधिक सम्मान कर अपनी त्रुटि को सुधारना आवश्यक समझा।'

सूडोकु नवताल- 7599

★★★☆ मध्यम

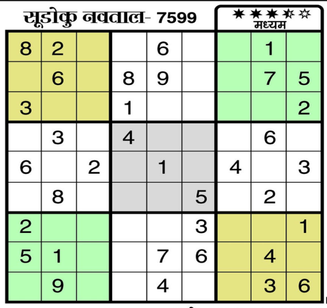

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7598 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

आदिवासी संस्कृति, शिक्षा और संवैधानिक अधिकारों की गूंज से सराबोर हुआ लांजी

विश्व आदिवासी दिवस पर रानी अवंतीबाई स्टेडियम में जुटा आदिवासी समाज, मातृशक्ति ने संभाली संवैधानिक रैली की कमान; 107 प्रतिभाओं, कर्मचारियों और समाजसेवियों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के रानी अवंतीबाई स्टेडियम में रविवार को आदिवासी समाज लांजीगढ़ के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस उत्साह, उमंग और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, शिक्षा, प्रकृति संरक्षण और संवैधानिक अधिकारों को लेकर समाज को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गोंडवाना सामुदायिक भवन से हुई। कार्यक्रम अध्यक्ष सेवानिवृत्त सहायक संचालक एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता गिरधारी नाईक सहित समाज के वरिष्ठजनों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार समाज के महापुरुषों का गोंगो पूजन किया गया। इसके बाद भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पारंपरिक नृत्य और गीतों ने बांधा समां

कार्यक्रम में आदिवासी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पारंपरिक वेशभूषा, आदिवासी भाषा, गीत-संगीत, नृत्य और तिहार की प्रस्तुतियों ने लोगों को आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत से रूबरू कराया। रेला-पाटा नृत्य की प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर उत्साह और उमंग से भर गया।

मातृशक्ति ने संभाली संवैधानिक रैली की कमान

कार्यक्रम के अगले चरण में आदिवासी समाज की मातृशक्ति ने संवैधानिक रैली की कमान संभाली। रैली बस स्टैंड होते हुए सुभाष चौक पहुंची, जहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद रैली गुजरी चौक होते हुए रानी अवंतीबाई स्टेडियम पहुंची। रैली को संबोधित करते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष गिरधारी नाईक ने कहा कि आदिवासी समाज को अपने संवैधानिक अधिकारों और उनके संरक्षण के प्रति हमेशा सजग एवं जागरूक रहना चाहिए। स्टेडियम पहुंचने पर वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों का पीले चावल एवं पीला गमछा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

शिक्षा को बताया समाज की प्रगति का आधार

मुख्य समारोह में शिक्षा, प्रकृति संरक्षण, संवैधानिक अधिकार, पांचवीं एवं छठवीं अनुसूची तथा पेसा अधिनियम सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर वक्ताओं ने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। साथ ही आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक विरासत को संरक्षित रखने तथा सामाजिक एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने जल, जंगल और जमीन को आदिवासी जीवन एवं संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बताते हुए प्रकृति संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

107 प्रतिभाओं और कर्मियों का सम्मान

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कक्षा पांचवीं, आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्रास करने वाले 85 आदिवासी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा समाज के 17 नवनियुक्त शासकीय कर्मचारियों और पांच नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों का भी सम्मान हुआ। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, संस्कृति, सामाजिक सेवा, खेल, गायन एवं नृत्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच सामाजिक बंधुओं तथा शासकीय सेवा में रहते हुए समाज की उन्नति में योगदान देने वाले नौ सगाजनों को भी सम्मानित किया गया। इस तरह कार्यक्रम में कुल 107 प्रतिभाओं, नवनियुक्त कर्मचारियों और समाजसेवियों का सम्मान किया गया।

मांगों को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कार्यक्रम के समापन पर आदिवासी समाज की विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति, राज्यपाल मध्यप्रदेश एवं मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन तहसीलदार लांजी को सौंपा गया। समाज के प्रतिनिधियों ने सामाजिक एवं संवैधानिक विषयों से जुड़ी मांगों को शासन तक पहुंचाते हुए उनके शीघ्र निराकरण की अपेक्षा जताई। आयोजन में गोंड, माना, गोवारी, बिंझवार, हलबा, बैगा, नगारची, धुलिया, परधान, सोनझरिया, कंडरा, ओझा सहित लांजीगढ़ क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी समाजों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में आदिवासी समाज लांजी के अध्यक्ष दीनू उइके, सचिव टुमनलाल घोरमारे, सहसचिव महेश घोरमारे सहित समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

53.35 लाख की पुलिया बनी, किसान की राह फिर भी दुश्वार

कारंजा के हल्बीटोला में वीसीडब्ल्यू पुलिया निर्माण पर सवाल; बारिश में ट्रैक्टर के बिना पहुंचना मुश्किल, कंक्रीट में हनीकॉम्बिंग और घास-फूस दिखने का दावा

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरकारी राशि से बनी पुलिया का उद्देश्य ग्रामीणों व किसानों की राह आसान करना है, लेकिन ग्राम पंचायत कारंजा के हल्बीटोला मार्ग पर स्थिति इसके उलट नजर आ रही

है। ?53.35 लाख की लागत से बन रही वीसीडब्ल्यू (पाइप) पुलिया तक पहुंचने के लिए ही ग्रामीणों को ढाई से तीन किमी खराब रास्ते से गुजरना पड़ता है। बारिश में ट्रैक्टर के बिना यहां पहुंचना मुश्किल बताया जा रहा है। अब ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता दोनों पर सवाल उठाते हुए तकनीकी जांच की मांग की है। पुलिया का निर्माण प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के संयुक्त अभिसरण मद से कराया जा रहा है। काम ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-2 बालाघाट की देखरेख में हो रहा है।

पुलिया पर खर्च लाखों, लेकिन पहुंच मार्ग बदहाल

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया बनने के बावजूद यदि किसान अपनी कृषि भूमि तक आसानी से नहीं पहुंच पा रहा है तो निर्माण की उपयोगिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। करीब ढाई से तीन किमी पहुंच मार्ग बारिश में कीचड़ और खराब स्थिति के कारण परेशानी का कारण बन जाता है। ट्रैक्टर वाले किसान तो किसी तरह पहुंच जाते हैं, लेकिन अन्य किसानों के सामने समस्या और बढ़ जाती है।

कंक्रीट में हनीकॉम्बिंग, घास-फूस और जड़ों पर सवाल

मौके की तस्वीरों में पुलिया के कंक्रीट हिस्सों में हनीकॉम्बिंग जैसी स्थिति दिखाई देने का दावा किया गया है। कुछ स्थानों पर गिट्टी और सीमेंट का मिश्रण असमान नजर आता है। कंक्रीट के भीतर घास-फूस, खरपतवार और पौधों की जड़ों जैसी चीजें दिखाई देने की बात भी सामने आई है। हालांकि जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि निर्माण स्वीकृत इस्टीमेट और निर्धारित रेशो के अनुसार कराया गया है और केवल देखकर गुणवत्ता या लागत का आकलन नहीं किया जा सकता। ऐसे में अब सवाल यह है कि यदि निर्माण मानकों के अनुसार है तो मौके पर दिखाई दे रही इन स्थितियों की तकनीकी वजह क्या है?

बारिश में पुलिया की सुरक्षा भी होगी चुनौती

पाइपों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। कुछ हिस्सों में कच्ची मिट्टी और अनगढ़ पत्थरों की स्थिति दिखाई देती है। बारिश में तेज पानी के बहाव के दौरान यदि मिट्टी का कटाव होता है तो पुलिया के किनारों के साथ पहुंच मार्ग को भी नुकसान पहुंच सकता है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांगी जांच

ग्रामीणों ने कलेक्टर बालाघाट, जिला पंचायत सीईओ और मनरेगा लोकपाल से निर्माण की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने की मांग की है। ग्रामीण चाहते हैं कि जांच में केवल कंक्रीट की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि इस्टीमेट, रेशो, सामग्री की गुणवत्ता, माप पुस्तिका, वास्तविक लागत, सुरक्षा व्यवस्था और पहुंच मार्ग की स्थिति भी शामिल की जाए। सवाल सीधा है—जब 53.35 लाख खर्च हो रहे हैं, तो क्या किसान की राह भी उतनी ही आसान होगी? इसका जवाब कागज नहीं, तकनीकी जांच और जमीन पर मिलने वाली सुविधा ही दे सकती है।

बोरगांव में अखंड रामचरितमानस पाठ संपन्न, 190 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण; 20 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित

पद्मेश न्यूज। लांजी। अखंड श्री रामचरितमानस पाठ कार्यक्रम के तहत लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम बोरगांव में 8 अगस्त से शुरू हुआ दो दिवसीय आयोजन 9 अगस्त को विधिवत विश्रांति के साथ संपन्न हुआ। स्थानीय ग्रामवासियों, ग्राम समितियों, अखंड श्री रामचरितमानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक आयोजन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, प्लास्टिक मुक्त अभियान और बच्चों की प्रतिभा विकास जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

'मेरा गांव, मेरा परिवार' बैठक में लिया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान संतजनों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों ने 'मेरा गांव, मेरा परिवार' बैठक में सहभागिता कर विभिन्न सामाजिक विषयों पर परिचर्चा की। ग्रामीणों ने श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में अपनाने, परिवार में संस्कार एवं आपसी समरसता बनाए रखने तथा गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सेवा, संस्कार, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है।

प्लास्टिक मुक्त गांव का दिया संदेश

सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। बताया गया कि प्लास्टिक का उपयोग किसानों, खेतों और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। ग्रामीणों से कपड़े एवं जूट के थैलों का उपयोग करने तथा गांव को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की गई।

25 पौधे लगाए, गौ पूजन और कन्या पूजन भी हुआ

पर्यावरण संरक्षण को लेकर ग्रामीणों ने पौधों को बच्चों की तरह संरक्षण देने का संकल्प लिया। महिला मंडल एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से पौधारोपण अभियान चलाकर गांव में 25 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में गौ पूजन, हवन-यज्ञ तथा नव कन्या पूजन भी किया गया। इसके बाद कन्याओं एवं बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया।

महिलाओं ने हल्दी-कुमकुम से दिया संस्कार और परिवार जोड़ने का संदेश

महिला मंडल द्वारा हल्दी-कुमकुम एवं परिवार मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे का सम्मान करते हुए भारतीय संस्कृति, सेवा, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया। परिवार से परिवार को जोड़ते हुए समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में 190 लोगों की जांच, 20 ऑपरेशन के लिए चिन्हित

आयोजन के दौरान स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। केयर हॉस्पिटल गोंदिया की टीम द्वारा 190 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। वहीं देवजी नेत्रालय के सहयोग से निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर आयोजित हुआ, जिसमें 75 लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच के बाद 20 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, जिनका निःशुल्क उपचार कराया जाएगा।

बच्चों ने नाट्य मंचन से दिया परिवार जोड़ने का संदेश

मानस पाठ की विश्रांति के बाद बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नाट्य मंचन की प्रस्तुति दी। बच्चों ने अभिनय के माध्यम से परिवार में प्रेम, संस्कार, एकता और आपसी सहयोग का शिक्षाप्रद संदेश दिया। ग्रामीणों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया।

आयोजन में रामेश्वर ठाकरे, डीलेश पटले, दिलीप पटले, चतर्भुज चौहान, महेश किसान, उमेंद्र ठाकरे, कुमेंद्र पटले, राजेंद्र राहंगडाले, आशीष ठाकरे, अतुल बिसेन, रोशनलाल खरे, विलास पटले, मनोज तूरकर, अक्षय टेंभरे, राजकुमार खरे, उमेश किसान, नेतलाल बिसेन, आशीष कटरे, शानू तूरकर, हिमांशु राहंगडाले सहित ग्राम समिति बोरगांव के सभी सदस्यों, वरिष्ठजनों, युवाओं एवं महिला मंडल का सहयोग रहा।

पल्हेरा में अखंड रामचरितमानस पाठ का शुभारंभ

इसी अभियान के तहत ग्राम पल्हेरा में 9 अगस्त को अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का संगीतमय शुभारंभ किया गया। स्थानीय ग्रामवासियों एवं ग्राम समितियों के सहयोग से आयोजित यह पाठ 10 अगस्त को विश्रांति के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान एवं महाप्रसाद का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुण्यलाभ लेने की अपील की है।

पेंशनर महासंघ कार्यालय पहुंचे विधायक कर्राहे, बोले- भवन के जीर्णोद्धार के लिए उपलब्ध कराएंगे राशि

दुर्गा मंदिर के जीर्णोद्धार और महिला मंडल को सामग्री देने का भी दिया आश्वासन

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र. सेवा निवृत्त अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के पदाधिकारियों के आग्रह पर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे ने रविवार 9 अगस्त को पूर्वाटोला मार्ग स्थित महासंघ कार्यालय पहुंचकर सौजन्य भेंट की। इस दौरान महासंघ के पदाधिकारियों ने विधायक का पुष्पमाला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक में पेंशनरों सहित क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। गौरतलब है कि पूर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज ऑफिस भवन वर्षों से खाली पड़ा था और देखरेख के अभाव में जर्जर हो रहा था। म.प्र. सेवा निवृत्त अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर महासंघ द्वारा विधिवत अनुमति लेकर इस भवन का उपयोग कार्यालय के रूप में किया जा रहा है। विधायक कर्राहे ने कहा कि महासंघ ने इस पुराने भवन को कार्यालय के लिए उपयोग में लेकर सराहनीय पहल की है। समय पर उपयोग नहीं होने पर यह भवन भी अन्य शासकीय भवनों की तरह जर्जर होकर धराशायी हो सकता था। विधायक ने भवन का निरीक्षण करते हुए कहा कि इसकी दीवारें अभी मजबूत हैं। महासंघ की मंशानुसार भवन के जीर्णोद्धार के लिए स्टीमेट तैयार कराया जाए, जिसके आधार पर आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने भवन में स्थित अन्य खाली कमरों का भी आवश्यकता के अनुसार दूसरे सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में उपयोग करने की बात कही।

महिलाओं की समस्याएं भी सुनीं

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने उपस्थित महिलाओं की समस्याओं को भी सुना। महिलाओं द्वारा परिसर में स्थापित दुर्गा मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग रखी गई, जिस पर विधायक ने सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही महिला मंडल के लिए स्पीकर सेट, ढोलक, झांझ, मंजीरा सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की बात कही। महिलाओं ने मंदिर परिसर के पास हैंडपंप खनन की मांग भी रखी। इस पर विधायक कर्राहे ने बताया कि नगर में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है और जल्द ही जलापूर्ति प्रारंभ होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई शुरू होने के बाद मंदिर के पास नल कनेक्शन लगवाने की व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, दौलतराम कोठारे, बबलू खानोरकर, सुरेंद्र श्रीवास, म.प्र. सेवा निवृत्त अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के संरक्षक श्यामलाल पांडे, अध्यक्ष देवेंद्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष बाबूलाल पारधी, नाथूराम सोनवाने, ज्ञानीराम गोटाफोड़े, ओंकारलाल रामटेककर, सी.एल. दमाहे सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आदिवासी भीख नहीं, अपना अधिकार मांगता है, आदिवासी कोड की लड़ाई एक बार नहीं 100 बार लड़ेंगे- उमंग सिंघार

विश्व आदिवासी दिवस पर दशहरा मैदान में उमड़ा आदिवासी समाज, 22 से अधिक संगठनों के हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

भोपाल। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को भोपाल के दसहरा मैदान में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के तत्वावधान में विशाल आदिवासी सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस सम्मेलन में 22 से अधिक आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों और हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत माता मंदिर चौराहे से विशाल रैली के साथ हुई। रैली में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और ढोल-मांदल की थाप के साथ दसहरा मैदान पहुंचे। सम्मेलन स्थल पर आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और गौरव की जीवंत झलक देखने को मिली। पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रंग-बिरंगे आदिवासी परिधानों ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया।

मैं नेता प्रतिपक्ष के नाते नहीं, समाज का हिस्सा होने के नाते आया हूं

मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि, मैं यहां नेता प्रतिपक्ष के नाते नहीं, बल्कि समाज का हिस्सा होने के नाते आया हूं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 22 प्रतिशत से अधिक आबादी आदिवासी समाज की है, लेकिन आज भी उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। उनकी पहचान और अस्तित्व को खत्म करने की कोशिशें हो रही हैं। हमें मिलकर अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा करनी है।

सिंघार ने कहा कि वे स्वयं आदिवासी समाज से आते हैं और उन्हें पता है कि आदिवासी गांवों में किस तरह कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज स्वाभिमानी समाज है। आदिवासी भीख नहीं मांगता, वह सिर्फ अपना अधिकार मांगता है।

आदिवासी कोड की लड़ाई एक बार नहीं, 100 बार लड़ेंगे

श्री सिंघार ने कहा कि अंग्रेजों के समय आदिवासियों के लिए अलग कोड की व्यवस्था थी, तो आज आदिवासी समाज को उसका अपना आदिवासी कोड क्यों नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश के 22 प्रतिशत से अधिक आदिवासी समाज की मांग है और इस मांग को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा, हम आदिवासी समाज के लिए आदिवासी कोड की लड़ाई लड़ेंगे। हमें आने वाली पीढ़ी को आदिवासी कोड देना है। कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि आप एक राजनीतिक पार्टी में हैं, फिर आदिवासी कोड की बात क्यों करते हैं? मैंने साफ कहा कि मैं आदिवासी अधिकारों की बात एक बार नहीं, 100 बार करूंगा।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश का आदिवासी युवा अब जाग चुका है। वह अपने अधिकारों, अपनी पहचान और अपने भविष्य को लेकर सजग है और अपने अधिकार लेना जानता है। उन्होंने आदिवासी समाज से एकजुट होकर अपनी संस्कृति, परंपरा, पहचान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया।

सम्मेलन में आदिवासी समाज की एकजुटता और सामाजिक शक्ति का प्रदर्शन देखने को मिला। पारंपरिक ढोल-मांदल की थाप, आदिवासी नृत्य, पारंपरिक परिधान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन को आदिवासी गौरव और स्वाभिमान के रंग में रंग दिया।

13 साल बाद भी ट्रायल शुरू नहीं, 2947 आरोपी भुगत रहे हैं पेशियां

- टाइपिंग-स्टेनो भर्ती घोटाले में एसटीएफ भी चालान पेश करते-करते थकी, अब तक 252 चालान अदालत में पेश

भोपाल। करीब 13 साल पहले टाइपिंग-स्टेनो भर्ती घोटाले में एसटीएफ ने 2947 आरोपी बनाए थे. 2013 से चल रही इस न्यायिक प्रक्रिया की रफ्तार पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बड़ी संख्या में आरोपियों के खिलाफ जांच और चालान पेश करने की प्रक्रिया इतनी लंबी खिंच गई है. 13 साल बाद भी मामले का ट्रायल शुरू नहीं हो सका। आरोपी लगातार अदालतों की पेशियां भुगत रहे हैं।

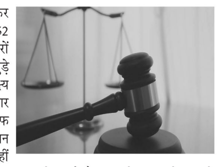

घोटाले की जांच कर रही एसटीएफ अब तक 252 चालान पेश कर पाई है। हजारों आरोपियों के प्रकरणों से जुड़े दस्तावेजों की जांच, साक्ष्य संकलन और आरोप पत्र तैयार करने की प्रक्रिया मैं एसटीएफ थक गई है. उसके पास चालान पेश करने की हिम्मत भी नहीं बची है. एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न्याय की असली परीक्षा (ट्रायल)शुरू नहीं हो पाया।

मामले की सबसे बड़ी विडंबना यह है,जहां आरोपियों को बार-बार पेशियों के लिए अदालतों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं.वहीं इतने वर्षों में भी मुकदमे की सुनवाई शुरुआती चरण तक नहीं पहुंच सकी है। सवाल यह है, जब जांच और चालान पेश करने की प्रक्रिया ही वर्षों तक चलती रहेगी, तो पीड़ितों और आरोपियों, दोनों को समय पर न्याय कैसे मिलेगा?

टाइपिंग-स्टेनो घोटाला अब केवल भर्ती में कथित फर्जीवाड़े का मामला नहीं रहा. धीमी जांच और लंबी न्यायिक प्रक्रिया की व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल बन गया है। परीक्षा देने के बाद भी हजारों युवाओं को नौकरी नहीं मिली.13 साल बाद ट्रायल शुरू न होना, इस बात का उदाहरण है. बड़े घोटालों में हजारों आरोपियों वाले मामलों के लिए न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी और समयबद्ध तंत्र विकसित करने की जरूरत है।

छतरपुर के बक्सवाहा में फिर जगेगी हीरा खनन की उम्मीद

13 अगस्त को मुंबई में निवेशकों से करेगी सरकार चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार छतरपुर जिले के बक्सवाहा डायमंड प्रोजेक्ट को दोबारा गति देने की तैयारी में है। इसी दिशा में 13 अगस्त को मुंबई में डायमंड माइनिंग कनेक्ट मीट आयोजित की जाएगी, जिसमें देश-विदेश की प्रमुख खनन कंपनियों और निवेशकों के साथ परियोजना पर चर्चा होगी। सरकार का लक्ष्य हीरा खनन के लिए निवेश आकर्षित करना और वर्षों से लंबित इस परियोजना को जमीन पर उतारना है।

बक्सवाहा को देश के सबसे बड़े संभावित हीरा भंडारों में माना जाता है। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के अनुसार यहां करीब 3.42 करोड़ कैरेट हीरों का भंडार होने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि यहां हीरों की उपलब्धता पन्ना की तुलना में कई गुना अधिक हो सकती है। यदि खनन शुरू होता है तो यह प्रदेश के खनिज राजस्व में बड़ा योगदान दे सकता है।

25 साल पहले शुरू हुई थी खोज

बक्सवाहा क्षेत्र में वर्ष 2000 से 2005 के बीच ऑस्ट्रेलियाई कंपनी रियो टिंटो ने व्यापक सर्वेक्षण किया था। इस दौरान क्षेत्र में किंबरलाइट चट्टानों की पहचान हुई और बाद के परीक्षणों में हीरों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। इसके बाद परियोजना आगे बढ़ी, लेकिन पर्यावरणीय अनुमति और कानूनी अड़चनों के कारण खनन शुरू नहीं हो सका।

निवेशकों को लुभाने की तैयारी

मुंबई में आयोजित होने वाली बैठक में रियो टिंटो, डी बीयर्स, वेदांता, एनएमडीसी, एस्सेल ग सहित कई बड़ी खनन कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार खनन से जुड़ी अनुमति और अन्य प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी काम कर रही है, ताकि परियोजना में निवेश आसान हो सके।

सरकार को बड़े राजस्व की उम्मीद

सरकार का मानना है कि बक्सवाहा खदान की नीलामी और खनन शुरू होने से प्रदेश को करोड़ों रुपये का राजस्व मिलेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यावरणीय चुनौती अब भी माइनिं सबसे बड़ा मुद्दा

हालांकि परियोजना के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरणीय मंजूरी है। प्रस्तावित खनन क्षेत्र के लिए 382 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित होने की आशंका है। पूर्व आकलन में इस क्षेत्र में करीब ढाई लाख पेड़ों की मौजूदगी बताई गई थी। पर्यावरणविदों का कहना है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई से वन्यजीवों और स्थानीय पारिस्थितिकी पर गंभीर असर पड़ सकता है।

सरकार के सामने संतुलन की चुनौती

बक्सवाहा डायमंड प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश के लिए आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन इसके साथ पर्यावरण संरक्षण की चुनौती भी जुड़ी हुई है। ऐसे में सरकार के सामने निवेश, राजस्व और रोजगार के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दोहरी जिम्मेदारी होगी। यदि सभी आवश्यक मंजूरियां मिलती हैं, तो करीब एक दशक बाद इस महत्वाकांक्षी परियोजना में फिर से हीरा खनन का रास्ता खुल सकता है।

11 अगस्त को कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक

भोपाल । मध्यप्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की अहम बैठक आगामी 11 अगस्त को आयोजित की जा रही है। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और ओंकार सिंह मरकाम समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। बैठक का मुख्य एजेंडा संगठन की मजबूती और पार्टी के भीतर सक्रिय तथाकथित 'स्लीपर सेल्स' (भितरघातियों) पर शिकंजा कसना है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका बैठक से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दतिया उपचुनाव की जीत के बाद संगठन सृजन का काम तेजी से चल रहा है। पीसी शर्मा ने दावा किया कि कांग्रेस के पास ऐसे 'स्लीपर सेल्स' की सूची उपलब्ध है, जो चुनाव के वक्त पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा- दतिया चुनाव में हमने स्लीपर सेल्स को हटाया था, जिससे सफलता मिली। यही माहौल आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक बनाए रखने के लिए इन 'फूल छाप कांग्रेसियों' पर कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि 11 अगस्त की बैठक में बड़े नेताओं की मौजूदगी में संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने और भाजपा की नाकामियों को जनता के बीच ले जाने की रणनीति पर भी चर्चा होगी।

कांग्रेस की कमेटी गुटबाजी का केंद्र

कांग्रेस के इस कदम पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला बोला है। बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी केवल एक मजाक है। आशीष अग्रवाल ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस में पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी गुटबाज़ी का बड़ा केंद्र बन चुकी है। यहां एक गुट दूसरे गुट के नेताओं को निपटाने के लिए उन्हें 'स्लीपर सेल' करार दे देता है। कौन है स्लीपर सेल, कांग्रेस को ही नहीं पता- उन्होंने कहा कि कांग्रेस को खुद नहीं पता कि उनके यहां असली स्लीपर सेल्स कौन हैं, क्योंकि वहां हर नेता एक-दूसरे को ही स्लीपर सेल मानता है।

निगम-मंडल कर्मचारियों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन

भोपाल । मध्यप्रदेश राज्य निगम मंडल कर्मचारी समन्वय महासंघ ने निगम-मंडल, बोर्ड एवं परिषदों के कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है। महासंघ के संयोजक अनिल बाजपेई और कार्यकारी अध्यक्ष अरुण वर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण की मांग की है। महासंघ ने कहा है कि निगम-मंडलों में करीब 10 वर्षों से कार्यरत चतुर्थ श्रेणी एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित किया जाए। पदोन्नति तथा अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में कर्मचारियों को सीपीसीटी परीक्षा से मुक्त रखा जाए। साथ ही निगम-मंडलों में रिक्त पदों पर तत्काल सीधी भर्ती शुरू करने की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि रिक्त पदों पर भर्ती से पहले निगम-मंडलों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को वहीं बनाए रखते हुए उन्हें नियमित किया जाए। संविदा कर्मचारियों को भी रिक्त पदों पर नियमित करने की मांग की गई है। जिन निगम-मंडलों में अभी तक चौथा वेतनमान लागू है, वहां सातवां वेतनमान देने तथा वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग भी की गई है। महासंघ ने सेवानिवृत्ति आयु में एकरूपता की मांग करते हुए तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की 64 वर्ष करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए कर्मचारी चयन आयोग का गठन करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। महासंघ ने निगम-मंडलों में वाहनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने, मंत्रालय में लगाए गए अधिकारियों, वाहनों एवं कर्मचारियों को वापस निगम-मंडलों में भेजने तथा निगम-मंडलों के अध्यक्षों को आर्थिक अधिकार नहीं देने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी है।

सरकारी स्कूलों में संस्कृत की कक्षाएं खाली, शिक्षक भी बैठे रह गए

9वीं-11वीं में भाषा चयन की छूट बनी वजह; शिक्षा विभाग ने स्कूलवार मांगी विद्यार्थियों की जानकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में नौवीं और 11वीं कक्षा में संस्कृत विषय के विद्यार्थियों की संख्या लगातार घटने से कई स्कूलों में संस्कृत की कक्षाएं खाली हो गई हैं। स्थिति यह है कि कई हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में संस्कृत के शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए पर्याप्त विद्यार्थी नहीं मिल रहे हैं।

इसकी मुख्य वजह माध्यमिक शिक्षा मंडल की अंक योजना में विद्यार्थियों को विषय चयन की मिली छूट बताई जा रही है। नौवीं और 11वीं में व्यावसायिक पाठ्यक्रम चुनने वाले विद्यार्थियों को दो भाषाएं चुननी होती हैं। अधिकांश विद्यार्थी हिंदी और अंग्रेजी को प्राथमिकता दे रहे हैं। ऐसे में तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाने वाली संस्कृत का चयन कम हो रहा है।

स्कूलों से मांगी गई पूरी जानकारी

कई जिलों से संस्कृत विषय की कक्षाएं संचालित नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग और महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान सक्रिय हुए हैं। विभाग ने प्रदेश के स्कूलों से सत्र 2025-26 और 2026-27 के विद्यार्थियों की संख्या मांगी है। इसके साथ ही नौवीं और 11वीं में संस्कृत विषय चुनने वाले विद्यार्थियों की संख्या तथा ऐसे स्कूलों की जानकारी भी मांगी गई है, जहां संस्कृत की कक्षाएं संचालित नहीं हो रही हैं। इस जानकारी के आधार पर यह देखा जाएगा कि किन स्कूलों में संस्कृत के शिक्षक उपलब्ध हैं, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या कम होने के कारण उनकी कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं।

हिंदी-अंग्रेजी के साथ व्यावसायिक विषय पहली पसंद

स्कूल प्राचार्यों के अनुसार नौवीं और 11वीं में विद्यार्थी दो भाषाओं के रूप में सामान्यत- हिंदी और अंग्रेजी चुन रहे हैं। इसके साथ वे अपनी पसंद का व्यावसायिक पाठ्यक्रम ले रहे हैं। ऐसे में संस्कृत के लिए विद्यार्थियों की संख्या नहीं बचती। इसका सीधा असर संस्कृत शिक्षकों पर पड़ रहा है। जिन स्कूलों में संस्कृत के शिक्षक पदस्थ हैं, वहां भी पर्याप्त विद्यार्थियों के अभाव में उनकी नियमित कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं।

संस्कृत को बढ़ावा देने की कोशिश

शासन की ओर से संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से शिक्षा विभाग और महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान ने संस्कृत विषय लेने वाले विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति का आंकड़ा जुटाना शुरू किया है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों को संस्कृत विषय के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। फिलहाल विभाग का फोकस यह पता लगाने पर है कि प्रदेश में कितने विद्यार्थी संस्कृत पढ़ रहे हैं और कितने स्कूलों में संस्कृत शिक्षक होने के बावजूद विषय की कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं।

प्रदेश में एनालॉग पनीर पर लगेगा बैन!

भोपाल। मध्य प्रदेश में असली दूध से बने पनीर के नाम पर बिक रहे एनालॉग पनीर को लेकर सरकार सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने प्रदेश में एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री और होटल-रेस्टोरेंट में इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव को संबंधित मंत्री की मंजूरी के लिए भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही प्रदेश में इस पर रोक लागू की जा सकती है।

विभाग को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि बाजार और होटल-रेस्टोरेंट में शुद्ध दूध से बने पनीर के नाम पर सस्ता एनालॉग पनीर इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्राहक इसे असली पनीर समझकर खरीद रहे हैं या होटल में पनीर की डिश के रूप में खा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने पड़ोसी राज्यों में हुई कार्रवाई और प्रतिबंध के प्रावधानों का अध्ययन किया। इसके बाद प्रदेश में भी कार्रवाई की तैयारी शुरू की गई है।

लैब जांच के लिए भेजे गए सैंपल

एफडीए की टीम ने संदिग्ध पनीर के नमूने लेकर उन्हें लैब टेस्ट के लिए भेजा है। जांच के जरिए यह पता लगाया जा रहा है कि बाजार में बिक रहे पनीर में दूध के बजाय किन पदार्थों का इस्तेमाल किया जा रहा है और वह खाद्य मानकों पर खरा उतरता है या नहीं। विभाग की नजर खास तौर पर उन दुकानदारों और होटल संचालकों पर है, जो एनालॉग पनीर को असली डेयरी पनीर बताकर ग्राहकों को बेच रहे हैं। मध्य प्रदेश से पहले महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा चुकी है।

अब स्कूलों में भी छात्रों की ऑनलाइन हाजिरी

भोपाल । स्कूल में कौन विद्यार्थी रोज आ रहा है और कौन लगातार कक्षाओं से गायब है, अब इसका हिसाब सिर्फ रजिस्टर के पन्नों तक सीमित नहीं रहेगा। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति अब ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

इस नवाचार व्यवस्था का उद्देश्य केवल हाजिरी का रिकॉर्ड तैयार करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की नियमितता पर नजर रखते हुए उनकी पढ़ाई में होने वाले नुकसान को समय रहते रोकना है। लगातार अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों की पहचान होने के बाद स्कूल स्तर पर उनकी स्थिति पर ध्यान दिया जा सकेगा और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से छूटी पढ़ाई पूरी कराने की व्यवस्था की जाएगी।

शिक्षक लगाएंगे ऑनलाइन हाजिरी

विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के लिए उन्हें किसी तरह की बायोमेट्रिक मशीन, फेस रीडिंग या जीपीएस लोकेशन की जरूरत नहीं होगी। उपस्थिति दर्ज करने की जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की रहेगी। शिक्षक एजुकेशन पोर्टल के स्टूडेंट मैनेजमेंट सेक्शन में जाकर कक्षा और सेक्शन का चयन करेंगे। इसके बाद विद्यार्थियों की सूची सामने आएगी, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी के सामने प्रेजेंट या अब्सेंट का विकल्प रहेगा। शिक्षक उसी आधार पर रोज की उपस्थिति दर्ज करेंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी से भोपाल तक दिखेगा रिकॉर्ड

उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज होने के बाद इसका रिकॉर्ड उच्च स्तर पर भी उपलब्ध रहेगा। जिला शिक्षा अधिकारियों से लेकर लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारी तक स्कूलवार और कक्षावार विद्यार्थियों की उपस्थिति की निगरानी कर सकेंगे। इससे स्कूलों में उपस्थिति व्यवस्था की नियमित समीक्षा करना भी आसान होगा।

सिर्फ आंकड़ा नहीं, बच्चों की पढ़ाई से जुड़ा होगा रिकॉर्ड

नई व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अनुपस्थिति का रिकॉर्ड तैयार होने के बाद लगातार गैरहाजिर रहने वाले विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जा सकेगा। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि कौन से विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल नहीं आ रहे हैं और उनकी पढ़ाई किस स्तर पर प्रभावित हो रही है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए स्कूल स्तर पर संपर्क, पढ़ाई में सहयोग और जरूरत के अनुसार रिमेडियल क्लासेस जैसी व्यवस्था की जा सकेगी। यानी ऑनलाइन हाजिरी का मकसद केवल यह जानना नहीं होगा कि विद्यार्थी स्कूल आया या नहीं, बल्कि उसकी पढ़ाई छूटने से रोकना भी होगा।

पोर्टल में बदलाव होते ही लागू होगी व्यवस्था

डीपीआई के निर्देश जारी होने के बाद अब एजुकेशन पोर्टल पर विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति के लिए आवश्यक कॉलम और विकल्प अपडेट किए जा रहे हैं। पोर्टल पर सुविधा लाइव होते ही प्रदेश के सभी शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की दैनिक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों के लिए नई व्यवस्था में कोई अतिरिक्त तकनीकी प्रक्रिया नहीं रखी गई है। उनकी उपस्थिति शिक्षक ही दर्ज करेंगे। ऐसे में इसका सीधा असर विद्यार्थियों पर किसी नई तकनीकी जिम्मेदारी के रूप में नहीं, बल्कि स्कूल में नियमित आने और पढ़ाई से जुड़े रहने की निगरानी बढ़ने के रूप में दिखाई देगा।

किसानों के लिए सहायक आय बढ़ाना सरकार का लक्ष्य, अगले सीजन से दिन में 10 घंटे मिलेगी बिजली - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ उन्हें खेती के अलावा मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन जैसे क्षेत्रों से भी सहायक आय उपलब्ध कराना है। उन्होंने घोषणा की कि अगले कृषि सीजन से किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास से राजगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत 16 विभागों के समन्वय से कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सांची ब्रांड के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही गेहूं की रिकॉर्ड एमएसपी खरीदी, सिंचाई क्षेत्र के विस्तार और सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना जैसी पहल किसानों की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि कवच योजना के माध्यम से हजारों किसानों को दोबारा बैंक और फसल ऋण लेने की सुविधा मिली है। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहना योजना की अगली किस्त जल्द ही पात्र महिलाओं के खातों में जारी की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश में लगभग 80 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिनमें करीब 10 हजार शिक्षक पद भी शामिल हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जनविश्वास अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार जनता के बीच जाकर समस्याओं का समाधान करें तथा उस दिन किसी प्रकार की बैठक आयोजित नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, जबकि लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और हलधर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

भारत की अशिमता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन खिताब जीता

आसन। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीत लिया। ये उपलब्धि हासिल करने वाली अशिमता पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। विश्व रैंकिंग में 50 वीं वरीयता प्राप्त अशिमता ने फाइनल मुकाबले में 35 वीं वरीयरता प्राप्त चीन की खिलाड़ी हान कियान शी को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इस मैच में पहला गेम हारने के बाद अशिमता ने अच्छी वापसी करते हुए लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। यह उनका पहला बीडब्ल्यू एफ विश्व टूर खिताब है।

अशिमता ने मुकाबले की शुरुआत में ही 3-0 और फिर 9-5 की बढ़त बना ली पर हान ने इसके बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। इसके बाद हान ने लगातार अंक हासिल किये और पहले गेम पर अपनी पकड़ पक्की कर ली। हान ने अपनी लय बरकरार रखते हुए पहला गेम 21-14 से जीत लिया। शुरुआती गेम में हार के बाद भी अशिमता ने दूसरे दूसरे गेम में और आक्रामक रुख अपनाया।

दूसरे गेम में अशिमता ने अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल किया और चीनी खिलाड़ी पर दबाव बनाये रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में 6-6 की बराबरी रही पर हाफ टाइम तक अशिमता ने 11-8 की बढ़त बना ली। इसके बाद अशिमता लगातार आगे बढ़ती रहीं। हान ने वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। भारतीय खिलाड़ी ने 17-10 की बढ़त हासिल करने के बाद गेम 21-14 से जीत लिया और मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे गेम की शुरुआत में ही दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। अशिमता ने शुरुआत में 5-2 की बढ़त बनाई पर हाफ टाइम तक हान ने वापसी करते हुए 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद अशिमता ने लगातार छह अंक हासिल करते हुए 15-11 की बढ़त बना ली। बढ़त से उत्साहित भारतीय खिलाड़ी ने एक शानदार क्रॉस-कोर्ट विनर लगाकर स्कोर 19-14 पहुंचा दिया। हान के रिटर्न शॉट के बाहर जाने के बाद अशिमता को चैंपियनशिप अंक मिला और उन्होंने अगले ही मौके पर मुकाबला खत्म करते हुए अपना पहला बीडब्लयूएफ विश्व खिताब जीता।

ट्रेविस हेड टेस्ट में सलामी बल्लेबाजी जारी रखने को लेकर आश्वस्त - बोले -

अच्छी भूमिका निभा सकता हूँ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने हाल ही में क्रिकेटर ऑफ द ईयर के रूप में प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल जीतने के बाद अपनी बल्लेबाजी भूमिका पर अहम बयान दिया है। हेड ने कहा है कि वह टेस्ट क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज आगे भी खेलना जारी रखना चाहते हैं। उनका मानना है कि वह अपने खेल को लेकर काफी सहज हैं और इस महत्वपूर्ण भूमिका में प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं। हेड, जो व्हाइट-बॉल क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं, को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले तक सिर्फ भारत और श्रीलंका में विशेष परिस्थितियों में ही टेस्ट में ओपनिंग करते देखा गया था। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के बाद उन्हें सलामी बल्लेबाजी का मौका मिला। ट्रेविस हेड ने इस अवसर को दोनों हाथों से भुनाया। उन्होंने पर्थ में केवल 83 गेंदों पर शानदार 123 रन बनाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर महज दो दिन में एकतरफा जीत हासिल करने में मदद मिली। इस धमाकेदार शुरुआत के बाद उन्होंने एडिलेड और सिडनी में भी शतक लगाए और एशेज सीरीज का समापन 629 रनों के साथ किया, जो सीरीज में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे।

उनके इस असाधारण प्रदर्शन का प्रभाव अब उस सीरीज से कहीं आगे तक दिख रहा है। टीम के आने वाले व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए, जिसमें ऑस्ट्रेलिया 20 टेस्ट खेल सकता है या वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने पर 21 टेस्ट खेल सकता है, हेड का टेस्ट ओपनर के तौर पर अपनी जगह बनाए रखना तय लग रहा है। टॉप ऑर्डर में अपनी भूमिका पर बात करते हुए हेड ने स्वीकार किया कि उनका फर्स्ट-क्लास करियर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ओपनिंग बल्लेबाज की पारंपरिक छवि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे सटीक आंकड़े तो नहीं पता, लेकिन मैंने शायद 170 या 180 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनमें से शायद दस में ही मैंने ओपनिंग की होगी। मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि मैं उस तरह का असली सलामी बल्लेबाज नहीं हूं, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जाना जाता है। कंगारू सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मेरा गेम अच्छा खेलने के लिए सही है। मुझे लगता है कि मैं सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छी भूमिका निभा सकता हूं। मैं शीर्ष पर खेलता हूं, लेकिन मैं पूरी तरह से ओपनिंग बैटर नहीं हूं। मुझे पता है कि मुझे नई गेंद के खिलाफ लगातार कड़ी मेहनत करनी होगी। मुझे पता है कि मुझसे गलतियां होंगी। यह ठीक है। मैं अपने गेम को लेकर बहुत सहज हूं। बतौर सलामी बल्लेबाज हेड की सफलता उनके यादगार 2025/26 के इंटरनेशनल सीजन का एक अहम हिस्सा रही, जिसमें उन्होंने तीनों फॉर्मेट में 30 मैचों में कुल 1,437 रन बनाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अवॉर्ड कार्यक्रम में उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें लगातार दूसरे साल प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल मिला।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में सुदर्शन की जगह सरफराज को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। सरफराज को चोटिल बल्लेबाज साई सुदर्शन की जगह भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। सुदर्शन अभी तक फिटनेस हासिल नहीं कर पाये हैं। बीसीसीआई ने जहां तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के विकल्प के रूप में आकिब नबी को श्रीलंका दौरे पर भेजा है। वहीं अब बोर्ड सुदर्शन के फिट होने का इंतजार कर रहा था। हालांकि अगर वह फिट नहीं होते हैं तो सरफराज को उनकी जगह पर श्रीलंका भेजा जा सकता है।

बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, श्रीलंका के खिलाफ आने वाली टेस्ट सीरीज में चोटिल सुदर्शन की जगह सरफराज ले सकते हैं। सुदर्शन अभी बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बैटिंग और फील्डिंग ड्रिल में भी हिस्सा लिया है। हालांकि इस बल्लेबाज के श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले शुरुआती टेस्ट के लिए समय पर पूरी तरह फिट होने की उम्मीद कम है।

सरफराज ने भारत के खिलाफ अंतिम बार टेस्ट 2024 के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में स्क्वॉड में तो जगह मिली, मगर एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद से ही वह वापसी के प्रयास कर रहे हैं।

लंका प्रीमियर लीग में जहीर खान की जाफना किंग्स हारी

कोलंबो। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम में लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में गॉल ग्लैंट्स ने जाफना किंग्स को 5 विकेट से हराकर खिताब जीत लिया। इसी के साथ ही पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान की जाफना किंग्स के हाथ आई जीत फिसल गयी। इस मुकाबले में गॉल ग्लैंट्स ने अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर मुकाबला जीता। इस मुकाबले में जाफना किंग्स की टीम के बल्लेबाज असफल रहे और टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में केवल 123 रन ही बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गॉल ग्लैंट्स की टीम ने 15.5 ओवर में ही 5 विकेट पर 126 रन बनाकर मुकाबले के साथ ही खिताब जीत लिया।

इस मैच में छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए गॉल ग्लैंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने केवल 7 रनों पर ही अपना पहला विकेट खो दिया। इसके बाद 10 रन पर ही दूसरा विके भी गिर गया। लगातार दो विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गयीं पर इसके बाद थॉमस फ्रेजर रोजर्स और दिनुरा कलुपहाना ने पारी संभाली। थॉमस ने 34 जबकि दिनुरा ने केवल 31 रन बनाये। वहीं अंत में चमिका करुणारत्ने ने 16 रन जबकि सहान अराच्चिगे ने 14 रन और कप्तान दासुन शनाका ने 20 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी।

वहीं इससे पहले जाफना किंग्स के बल्लेबाज विफल रहे। सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो ने 20 रन और कामिल मिसारा ने 41 रन बनाये। इनके आउट होने के बाद बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से बिखर गया। मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज विरोधी टीम के गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आये। चमिंदु विक्रमसिंघे ने निचलेक्रम में संघर्ष करते हुए 24 रन बनाए और टीम को 100 रनों के ऊपर पहुंचाया। जाफना के लिए इन तीन बल्लेबाजों के अलावा कोई और खिलाड़ी क्रीज पर टिक नहीं पाया, जिसकी वजह से पूरी टीम सिर्फ 123 रन के मामूली स्कोर पर सिमट गई। गॉल की ओर से चरिथ असलंका और ईशान मलिंगा ने 3-3 विकेट जबकि थरिंदु रत्नायके ने भी 2 विकेट लिए, जबकि सचिनदु कोलम्बेज और अकिफ जावेद ने एक-एक विकेट लिया।

नाहिद ने वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में जीते दो स्वर्ण और एक कांस्य सहित तीन पदक

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के नाहिद अली चौधरी ने वर्ल्ड एस्क्रीमा काली अर्निस फेडरेशन (डब्ल्यूईकेएएफ) द्वारा आयोजित वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप के 18वें संस्करण में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता है। इस शानदार सफलता से नाहिद ने अपने राज्य के साथ ही देश का भी सम्मान बढ़ाया है। इस खिलाड़ी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच को दिया है, जिनके मार्गदर्शन और समर्थन से वह यहां तक पहुंचे हैं। नाहिद नेवर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में कुल तीन स्पर्धाओं में भाग लिया। पहली स्पर्धा में उन्होंने फिलीपींस, अमेरिका और थाईलैंड के खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए शानदार जीत दर्ज की। वहीं दूसरी स्पर्धा में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा, यहां उन्होंने अपनी अद्भुत क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया। तीसरे इवेंट में भी नाहिद अपने बेहतरीन प्रदर्शन को बनाये रखन में सफल रहे, जिससे उन्होंने कुल दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। अपनी इस ऐतिहासिक जीत के बाद नाहिद ने कहा, मैं अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता और कोच को देना चाहता हूं, जिनकी बदौलत ही मैं यहां तक पहुंच पाया हूं। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में भी अपने इस प्रदर्शन को बनाए रखकर देश के लिए और स्वर्ण पदक जीतने का हरसंभव प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि अर्निस एक प्राचीन मार्शल आर्ट है जिसमें मुख्य रूप से लाठी (डंडों) और चाकू के उपयोग के साथ-साथ बिना हथियारों के आत्मरक्षा और मुकाबले के कौशल का प्रदर्शन किया जाता है।

गुरनूर ने एक ही ओवर में चार छक्के लगाये, गंभीर भी ताली बजाते दिखे

कोलंबो। यहां श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ जारी अभ्यास मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के नये तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने बल्लेबाजी का अवसर मिलने पर अपने आक्रामक खेल से सभी को हैरान कर दिया। गुरनूर ने एक ही ओवर में चार छक्के जड़ दिये जिससे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अपने हंसी नहीं रोक पाये जबकि गंभीर को एक सख्त स्वाभव वाला कोच माना जाता है और वह हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ दूसरे दिन का खेल खत्म होने से ठीक पहले गुरनून ने अपनी आक्राम पारी से सभी को हैरान कर दिया।

इस अभ्यास मैच के दूसरे दिन न भारत की पहली पारी के अंतिम ओवर में यह आक्रामक बल्लेबाजी देखने को मिली। भारतीय टीम की ओर से11 पर बल्लेबाजी करने उतरे गुरनूर बराड़ ने विरोधी स्पिनर दिलुम सुदीरा के एक ही ओवर में चार लंबे छक्के लगाकर दिखा दिया कि वह भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। गुरनूर जब मैदान पर उतरे तब दूसरे छोर पर देवदत्त पडिक्कल खेल रह थे। गुरनूर ने उतरते ही तेजी से शॉट खेलते हुए पारी का 90वां ओवर फेंकने आए स्पिनर दिलुम सुदीरा की गेंदों पर धमाकेदारी शॉट खेले। उन्होंने ओवर की दूसरी, तीसरी, पांचवीं और छठी गेंद पर छक्के लगाये। गुरनूर के इस निडर अंदाज को देखकर ड्रेसिंग रूम में बैठे गंभीर भी खुश होकर ताली बजाने लगे। उन्होंने ताली बजाकर इस युवा खिलाड़ी को स्टैंडिंग ओवेशन दिया। गुरनूर ने अपनी इस छोटी पर आक्रामक पारी से केवल 18 गेंदों पर ही नाबाद 36 रन बना दिये। अपनी इस धमाकेदार पारी में उन्होंने 2 चौके और 4 छक्के लगाए। उन्होंने 10वें विकेट के लिए पडिक्कल के साथ मिलकर सिर्फ 30 गेंदों में 51 रनों की साझेदारी की। इससे भारतीय टीम भी 350 के ऊपर पहुंच गयी।

ऑस्ट्रेलियाई एकादश ने बांग्लादेश को एक पारी और 38 रनों से हराया, थॉम्सन ने लिए 8 विकेट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई एकादश ने उभरते हुए गेंदबाज कैम्बल थॉम्सन की घातक गेंदबाजी से मेहमान बांग्लादेश टीम को यहां हुए अभ्यास मैच में एक पारी और 38 रनों से हरा दिया। इस मैच में बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में थॉम्सन के सामने टिक नहीं पायी और केवल 54 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार उसकी हार तय हो गयी है। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम ने अपनी पहली पारी में 263 रन बनाए थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया इलेवन ने इसके जवाब में 355 रन बनाए और बांग्लादेश पर 92 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की ओर से टीग विली ने 130 रनों की पारी खेली, जबकि जेक डोरन ने भी 76 रन का योगदान दिया और अपनी टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचाया।

बांग्लादेश की टीम के लिए दूसरे पारी बेहद खराब रही और युवा थॉम्सन ने 8 बल्लेबाजों को आउट कर मेहमान टीम की बल्लेबाज ध्वस्त कर दी। वहीं पहली पारी में बांग्लादेश के लिए शतक लगाने वाले मेहदी हसन मिराज भी दूसरी पारी में दों अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। केवल सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन ही 22 रन बनाकर कुछ संघर्ष दिखाया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 6 से ज्यादा रन नहीं बना सका। टीम के तीन खिलाड़ी तो अपना खाता भी नहीं खोल पाए।

सबालेंका को हराकर कनाडा ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचं अलेक्जेंड्रोवा

टोरंटो। रूस की 19वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए कनाडाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अलेक्जेंड्रोवा ने यहां खेले जा रहे कनाडाई ओपन टेनिस में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हरा दिया। करीब ढ़ाई घंटे चले इस मुकाबले के बाद अलेक्जेंड्रोवा ने जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस हार के साथ ही सबालेंका, कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई है।

दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम हुए इस मुकाबले में कड़ा संघर्ष हुआ। पहला सेट टाई-ब्रेकर तक गया, जहां अलेक्जेंड्रोवा ने 7-6 (3) से जीत हासिल की। वहीं इसके बाद सबालेंका ने दूसरा सेट 6-4 से जीतकर वापसी की। तीसरे सेट में भी दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। सर्विस ब्रेक के बाद अलेक्जेंड्रोवा ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय जब स्कोर 5-4 था तो सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए अपनी सर्विस बचानी थी पर सफल नहीं रहीं। सबालेंका ने दो ब्रेक और मैच अंक बचाए पर तीसरे अंक पर हार गईं, जिससे सेट और मैच अलेक्जेंड्रोवा ने जीत लिया।

वहीं एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने अमांडा अनिसिमोवा को 6-2, 6-4 से सीधे सेटों में हराकर आसानी से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं 15वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर ने दो बार की एनबीओ चैंपियन जेसिका पेगुला को 6-3, 6-3 से सीधे सेटों में हराकर सभी को हैरान कर दिया। वहीं स्वियातेक ने भी एक शुरुआती झटका झेलने के बाद वापसी की। मार्टा कोस्त्युक के खिलाफ पहला सेट 3-6 से हारने के बावजूद, स्वियातेक ने अगले दो सेट 6-1, 6-2 से जीतकर मैच अपने नाम किया। अब, टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में से केवल दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और चौथी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ही बची हैं, क्योंकि पेगुला, सबालेंका और मीरा आंद्रीवा पहले ही बाहर हो गयी थीं।

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण द हंड्रेड के बचे हुए मैचों से बाहर हुई जेमिमा

एशिया कप में भी खेलना संदिग्ध

लंदन । भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स फिट नहीं होने के कारण इंग्लैंड में जारी द हंड्रेड क्रिकेट लीग के बचे हुए मैचों से बाहर हो गयी हैं। इससे उनके आगामी महिला एशिया कप टी20 मुकाबलों से भी बाहर होने की आशंका है। जेमिमा ने सदर्न ब्रेव की तरफ से खेलते हुए टूर्नामेंट की छह पारियों में 35.75 की औसत के साथ ही 143 रन बनाए थे पर हैमस्ट्रिंग के खिंचाव के कारण उन्हें बीच में ही बाहर होना पड़ा। ऐसे में उनकी जगह पर ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट को शामिल किया गया। इसी को लेकर सदर्न ब्रेव की ओर से कहा गया, जेमिमा रोड्रिग्स चोट के कारण द हंड्रेड के शेष मुकाबलों से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में उनकी जगह पर चार्ली नॉट को शामिल किया गया है।

गौरतलब है कि महिला द हंड्रेड की अंक तालिका में अभी सदर्न ब्रेव फिलहाल दूसरे स्थान पर है। इस टीम ने 6 में से 5 मैच जीते हैं। टीम के अभी 20 अंक हैं। वहीं तालिका में नंबर एक पर चल रही ट्रेंट रॉकेट्स ने भी अब तक 6 मे से 5 मैच जीते हैं, पर बेहतर नेट रन रेट के चलते सदर्न नंबर एक पर है। गौरतलब है कि महिल टी20 एशिया कप 28 अगस्त से 13 सितंबर के बीच दुबई में खेला जाएगा। अब बचे हुए टूर्नामेंट में जेमिमा का खेलना उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। गौरतलब है कि जेमिमा पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बल्लेबाजी क्रम का एक अहम हिस्सा रही हैं। भारतीय टीम एशिय कप अपने मुकाबले 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 3 और 5 सितंबर को हांगकांग और परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से उसका मुकाबला होगा। टूर्नामेंट के सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। अगर जेमिमा फिट नहीं होती हैं तो विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को उनकी जगह शामिल किया जा सकता है।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बसंत ने ऊंची कूद में रजत, शाहनवाज ने लंबी कूद में कांस्य जीता

यूजीन । भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने अमेरिका के ओरेगन के यूजीन में जारी अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। बसंत ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में ये पदक जीता, वहीं भारत के ही शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीता। इससे अंदाज होता है कि अब एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

19 साल के बसंत ने 2.21 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। इस युवा एथलीट ने पहले प्रयास में 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई आसानी से पार करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। 2.21 मीटर की निर्णायक छलांग से वह शीर्ष तीन में पहुंचे। शीर्ष तीन एथलीटों द्वारा समान ऊंचाई पार करने के बावजूद, 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर पदक जीता। इससे वह किसी भी विश्व स्तरीय इवेंट में हाई जंप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इस स्पर्धा का स्वर्ण अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक जीता।

वहीं पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज ने 7.84 मीटर की छलांग के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में जीता गया पहला पदक है। शाहनवाज ने तीसरे दौर में 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान मजबूत किया। इस स्पर्धा में इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ स्वर्ण और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

इन दो पदकों के साथ ही इस चैंपियनशिप में भारत के अब तीन पदक हो गये हैं। इससे पहले भारत के ही आशीष यादव ने भाला फेंक में रजत पदक जीता था। एक अन्य मुकाबले में भारतीय महिला 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत की भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम की इस टीम ने अपनी हीट में 3:39.53 का समय निकालकर शीर्ष तीन में जगह बनाई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर कोच बनना चाहते है अजिंक्य रहाणे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं का भी खुलासा किया है, जिसमें दुनिया भर की टी20 लीग्स में खेलना और एक कुशल कोच के रूप में अपनी दूसरी पारी शुरू करना शामिल है। रहाणे ने स्पष्ट किया कि वह अपने क्रिकेट अनुभव को किसी एक दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर साझा करना चाहते हैं। संन्यास के तुरंत बाद, रहाणे यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एम्सटर्डम फ्लेम्स टीम का हिस्सा बन गए हैं। ईटीपीएल में अपनी शुरुआत से पहले उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं बड़े स्तर पर सोचूं। मैं अपने अनुभव को किसी छोटे दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर साझा करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वह कोई सीमा तय नहीं करना चाहते कि उन्हें केवल यही या वही लीग खेलनी है; उनका मानना है कि दुनिया भर की लीग्स में खेलते हुए उन्हें अपना अनुभव और जानकारी वैश्विक स्तर पर बांटनी चाहिए। टी20 लीग्स में अपने भविष्य के अलावा, रहाणे ने कोचिंग में अपने करियर को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मुझे लगता है कि खेलने के अलावा मैं एक मेंटर और कोच के रूप में भी बहुत बेहतरीन साबित होऊंगा, क्योंकि मैं खिलाड़ियों की मानसिकता को समझता हूं। मैं उन्हें बहुत अच्छे से समझता हूं, क्योंकि एक खिलाड़ी के रूप में मैं हर स्थिति और हर संभव परिस्थिति से गुजरा हूं और वह अनुभव आपकी बहुत मदद करता है। रहाणे के अनुसार, कोचिंग एक तरीके से मैन-मैनेजमेंट और मेंटरशिप का खेल है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान क्रिकेट खेलने पर है और खेल के प्रति उनका जुनून बरकरार है। हालांकि, उनका मानना है कि एक बार जब वह खेलना बंद कर देंगे, तो वह एक कोच और मेंटर के रूप में खेल को वापस देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि उनके पास खेल के हर पहलू का गहरा अनुभव है।

अरिहा ने एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

मनीला। भारत की अरिहा पंगमबम ने फिलीपींस में जारी एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अरिहा सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। इसी के साथ ही भारतीय टीम को इस कॉन्टिनेंटल स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक मिला है। अरिहा ने फिलीपींस में हुए फाइनल में कुल 19.100 अंक हासिल किए। उन्होंने आर्टिस्ट्री में 8.650, एग्जीक्यूशन में 7.600 और डिफिकल्टी में 2.850 अंक हासिल कर स्वर्ण अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल उनके व्यक्तिगत कौशल का प्रमाण है, बल्कि भारतीय एरोबिक जिम्नास्टिक के लिए एक मील का पत्थर भी है। अरिहा पिछली एशियन चैंपियनशिप में कुछ ही अंकों से पीछे होने के कारण चौथे स्थान पर रह गई थीं। उस हार से सबक लेते हुए उन्होंने इस बार कोई गलती नहीं की।

विश्व शांति, राष्ट्र उन्नति के संकल्प के साथ हुआ रुद्राभिषेक

आर्ट ऑफ लिविंग बालाघाट द्वारा श्रावण मास में रुद्र पूजा एवं महासत्संग का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्रावण मास के पावन अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, बालाघाट द्वारा रविवार को जिला भाजपा कार्यालय, बालाघाट में सामूहिक रुद्र पूजा एवं महासत्संग का आयोजन किया गया। बैंगलोर से पधारे आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक आशीष पटेल जी एवं वैदिक धर्म संस्थान के धर्माचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। रुद्र पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, राष्ट्र की उन्नति एवं सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, देश के अन्नदाता किसानों की समृद्धि एवं अच्छी फसल के लिए अच्छी वर्षा, सभी के कल्याण तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति और समृद्धि की कामना के साथ संकल्प लेकर भगवान शिव का पूजन एवं रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर वसुधैव कुटुम्बकम् — संपूर्ण विश्व एक परिवार है की भावना को भी संकल्प का आधार बनाया गया। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी द्वारा विश्वभर में शांति, सद्भाव, मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों से प्रेरणा लेते हुए, रुद्र पूजा में सम्पूर्ण मानवता के कल्याण एवं विश्व में शांति और सद्भाव की स्थापना की कामना की गई। आर्ट ऑफ लिविंग के साधकों ने बताया कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के मार्गदर्शन में 卐वसुधैव कुटुम्बकम्卐 की भावना को विश्वभर में साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी भावना के अनुरूप रुद्र पूजा केवल व्यक्तिगत मनोकामना तक सीमित न होकर समाज, राष्ट्र और संपूर्ण विश्व के कल्याण का सामूहिक संकल्प है। पूजन के पश्चात महासत्संग का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भजन, संगीत एवं आध्यात्मिक वातावरण में आनंदपूर्वक सहभागिता की। पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

रुद्र पूजा हमारी वैदिक परंपरा

आर्ट ऑफ लिविंग के साधकों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष श्रावण मास जैसे पावन अवसरों पर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के संकल्प एवं मार्गदर्शन से देश-विदेश के अनेक स्थानों पर विश्व शांति एवं राष्ट्र उन्नति के लिए रुद्र पूजा का आयोजन किया जाता है। रुद्र पूजा हमारी प्राचीन वैदिक परंपरा है। रुद्र अर्थात शिव—जो कल्याणकारी, हितकारी, उदार एवं परोपकारी हैं। रुद्राभिषेक के माध्यम से श्रद्धालु सामूहिक रूप से सकारात्मक ऊर्जा, शांति और कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। पूजा में व्यक्तिगत एवं सामूहिक कल्याण का संकल्प लेकर सहभागी होना भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की विशेषता है।

भोजन प्रसाद की रही व्यवस्था

रुद्र पूजा में शामिल सभी श्रद्धालुओं के लिए भारतीय जनता पार्टी कार्यालय की ओर से भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। पूजन के पश्चात बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक भोजन प्रसाद ग्रहण किया। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, बालाघाट द्वारा आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में साधकों, श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही। आयोजन का मूल भाव विश्व शांति, राष्ट्र कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम् रहा।

जिले में 09 अगस्त तक 742 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 01 जून से 09 अगस्त 2026 तक कुल 742 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष 2025 में इसी अवधि में 850 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 904 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 09 अगस्त 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 09 अगस्त को प्रातः 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान बालाघाट तहसील में 69 मिमी, वारासिवनी में 83 मिमी, बैहर में 81 मिमी, लांजी में 32 मिमी, कटंगी में 39 मिमी, किरनापुर में 07 मिमी, खैरलांजी में 71 मिमी, लालबर्रा में 57 मिमी, बिरसा में 93 मिमी, परसवाड़ा में 72 मिमी एवं तिरोड़ी तहसील में 53 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 60 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार चालू वर्ष में 01 जून से 09 अगस्त 2026 तक सबसे अधिक 973 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 534 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में वारासिवनी तहसील में 953 मिलीमीटर, बैहर में 803 मिलीमीटर, लांजी में 678 मिलीमीटर, कटंगी में 623 मिलीमीटर, किरनापुर में 796 मिलीमीटर, लालबर्रा में 787 मिलीमीटर, बिरसा में 591 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 696 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 722 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 1102 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1237 मिलीमीटर, बैहर में 983 मिलीमीटर, लांजी में 558 मिलीमीटर, कटंगी में 836 मिलीमीटर, किरनापुर में 811 मिलीमीटर, खैरलांजी में 373 मिलीमीटर, लालबर्रा में 1023 मिलीमीटर, बिरसा में 609 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 1003 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 808 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। आम जन से अपील की गई है कि वर्षा के दिनों में नदी नालों में बाढ़ होने और पुल पुलियों पर पानी बह रहा हो तो, उसे पार न करें। थोड़ी सी लापरवाही से जान जा सकती है अत: पुल पुलियों पर पानी बह रहा हो तो सतर्कता और सावधानी बरतें, पानी उतरने का इंतजार करें और सुरक्षित होने पर ही पुल पुलियों को पार करें। किसी भी आपात स्थिति से सहायता के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट के कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 07632-240102 पर सम्पर्क करें।

कुंडेकसा, बोंदारी और कोरका के 51 बच्चे स्वस्थ होकर लौटे घर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत अडोरी के ग्राम कुंडेकसा, बोंदारी और कोरका में बीमार बच्चों के उपचार के लिए कलेक्टर कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इन गांवों से उपचार के लिए स्क्रीनिंग के पश्चात दिनाँक 12 जुलाई 2026 से अब तक कुल 96 बच्चों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। इनमें से 51 बच्चे उपचार के बाद स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं, जबकि 45 बच्चों का अस्पताल में उपचार जारी है। उपचाररत सभी बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि कुंडेकसा में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में कुल 18 बच्चे भर्ती कराए गए थे। उपचार के बाद सभी 18 बच्चे स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं। इसी प्रकार सिविल अस्पताल बैहर में 22 बच्चों को भर्ती कराया गया था, जिनमें से 16 बच्चे स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 6 बच्चों का उपचार जारी है।

जिला चिकित्सालय बालाघाट में कुल 56 बच्चे भर्ती कराए गए थे। इनमें से 17 बच्चे उपचार के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि 39 बच्चों का उपचार वर्तमान में जारी है। इस प्रकार तीनों स्थानों पर भर्ती कराए गए 96 बच्चों में से 51 बच्चे स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं और 45 बच्चों का उपचार चल रहा है।

उपचार और सुविधाओं से परिजन संतुष्ट

जिला चिकित्सालय बालाघाट में उपचाररत बच्चों के साथ उनके माता-पिता और परिजनों को भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल में भर्ती बैगा बच्चों एवं उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई है। बच्चों के परिजनों ने अस्पताल में मिल रहे उपचार एवं सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया है।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। अस्पतालों में भर्ती बच्चों को चिकित्सकीय उपचार के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि उपचाररत सभी 45 बच्चे खतरे से बाहर हैं और उनके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है।

जय श्री महाकाल सेवा समिति लगातार चौथे वर्ष सावन के चौथे सोमवार लोहारा में करेगा भंडारा

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्मनगरी लांजी में सावन मास के चलते शिवभक्ति का माहौल बना हुआ है। मंदिरों में भगवान शिव के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इसी धार्मिक वातावरण के बीच जय श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा सेवा और समर्पण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सावन के चौथे सोमवार 24 अगस्त 2026 को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारा लांजी-रिसेवाड़ा मार्ग स्थित मां दुर्गा मंदिर, लोहारा में आयोजित होगा। यहां आने वाले श्रद्धालुओं और शिवभक्तों के लिए समिति द्वारा प्रसादी की व्यवस्था की जाएगी। समिति के सदस्यों के अनुसार यह सेवा आयोजन पिछले चार वर्षों से लगातार श्रद्धा और धार्मिक भावना के साथ किया जा रहा है।

सावन मास को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। सावन के सोमवार को शिवालयों में पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता है। ऐसे में लोहारा स्थित मां दुर्गा मंदिर में आयोजित होने वाला भंडारा श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक आस्था के साथ सेवा और प्रसाद ग्रहण करने का अवसर बनेगा।

जय श्री महाकाल सेवा समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों एवं शिवभक्तों से भंडारे में पहुंचकर प्रसादी ग्रहण करने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। समिति ने कहा कि सेवा और प्रसाद वितरण के माध्यम से सावन की भक्ति को जनसेवा से जोड़ना ही आयोजन का उद्देश्य है।

6 साल से परीक्षा, रिजल्ट और छात्रवृत्ति का इंतजार

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों का आक्रोश एक बार फिर सडक् पर दिखाई दिया। लंबित परीक्षाओं, अटके परीक्षा परिणाम और करीब छह वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए एनएसओ छात्र संगठन ने शनिवार से भोपाल स्थित नर्सिंग काउंसिल कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया।

छात्र संगठन का कहना है कि नर्सिंग शिक्षा से जुड़े सैकड़ों विद्यार्थियों की पढ़ाई पूरी हो चुकी है, लेकिन परीक्षा और परिणाम की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण उनकी डिग्री और भविष्य दोनों अधर में लटके हैं। छात्रों ने सरकार और संबंधित विभाग से लंबित परीक्षाएं तत्काल कराने, सभी पुराने परिणाम घोषित करने और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग की है।

परिसीमन के विरोध में तमिलनाडु के 19 सांसद एकजुट

चेन्नई, । केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन को लेकर तमिलनाडु में सियासी विरोध तेज हो गया है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से शनिवार को बुलाई गई सर्वदलीय सांसद बैठक में कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीआई(एम), एमडीएमके और आईयूएमएल समेत विभिन्न दलों के 19 सांसदों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रस्तावित परिसीमन का पूरी तरह विरोध करने और तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को सुरक्षित रखने के लिए आगे की रणनीति तय की गई।

हालांकि, राज्य की प्रमुख पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके इस बैठक में शामिल नहीं हुईं। डीएमके ने इसे 'तमाशा' बताते हुए बैठक से दूरी बनाई, जबकि एआईएडीएमके ने इसे 'जल्दबाजी में किया गया ड्रामा' करार दिया। डीएमके के सहयोगी एमएनएम और डीएमडीके के सांसद भी बैठक में शामिल नहीं हुए। तमिलनाडु सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, बैठक में शामिल सांसदों ने मांग की कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों को भी मौजूदा संख्या पर बरकरार रखने की मांग की गई। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा के बीच सीटों का अनुपात 2.2~1 बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। सांसदों ने आशंका जताई कि प्रस्तावित परिसीमन से दक्षिण भारतीय राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर असर पड़ सकता है।

विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया, नगर मे निकली भव्य रैली

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील किरनापुर अंतर्गत ग्राम हेटी कनेरी मे सर्व आदिवासी समाज संगठन किरनापुर के तत्वावधान मे प्रतिवर्षानुसार विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम फड़ापेन गोंगो का पूजन कर ध्वजारोहण के साथ किया गया। तत्पश्चात् किरनापुर नगर भ्रमण करते हुए विशाल रैली निकाली गई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए बस स्टैण्ड पहुंची जहां मूलनिवासी समुदाय के लोगों द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। एवं नारे लगाए गए। रैली के नगर भ्रमण के दौरान युवाओ द्वारा पारंपरिक वेशभूषा मे नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई जो रैली मे प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रही। वही मंचासीन कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मनमोहक नृत्य की शानदार प्रस्तुति से शमा बांध दिया। जिस पर उन्हें पारितोषिक भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान बताया गया कि विश्व आदिवासी मूलनिवासी दिवस हर वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। इसके उद्देश्य को समझाते हुए मंचासीन वक्ताओं ने बताया कि दुनिया के मूलनिवासी/आदिवासी समुदायों के अधिकारों, संस्कृति, परंपराओं, भाषा, पहचान और सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वही विश्व मूलनिवासी दिवस का महत्वजल, जंगल और जमीन पर मूलनिवासी समुदायों के अधिकारों के प्रति जागरूकता लाकर उनकी भाषा, संस्कृति, कला और परंपराओं का संरक्षण किया जाना चाहिए। तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और समान अवसरों के लिए आवाज उठाना चाहिए।मूलनिवासी समुदायों के साथ होने वाले भेदभाव और शोषण के विरुद्ध जागरूकता।प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण में उनके पारंपरिक ज्ञान और योगदान को सम्मान देना होगा। वही दूसरे एवं सरल शब्दों में इसे मूलनिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति, अधिकार और सम्मान को समझने तथा आने वाली पीढ़ियों तक अपनी विरासत को सुरक्षित रखने का संकल्प लेने का दिन है। वहीं कार्यक्रम के अंत मे आदिवासी समाज के प्रतिभावान बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक प्रदान किये गए।

दूसरे सोमवार को कोटेश्वर धाम में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

42 किमी नंगे पैर चलकर कांवड़िए करेंगे जलाभिषेक, सुरक्षा-यातायात को लेकर पुलिस-प्रशासन मुस्तैद

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के दूसरे सोमवार, 10 अगस्त को प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिलेगा। भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए लांजी सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्रावण के प्रथम सोमवार की तरह दूसरे सोमवार को भी कोटेश्वर धाम परिसर सुबह से ही 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से गूंजने की उम्मीद है। 108 उपलिंगों में से एक माने जाने वाले भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों में खासा उत्साह है।

बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित 27वीं कांवड़ यात्रा के तहत कांवड़िए पवित्र जल लेकर कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे। पिछले सोमवार को करीब 100 कांवड़ियों ने चहेली (सीतापाला) स्थित छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल से लगभग 42 किलोमीटर की नंगे पैर पदयात्रा कर कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया था। दूसरे सोमवार को भी कांवड़ यात्रा को लेकर शिवभक्तों में विशेष उत्साह बना हुआ है।

श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। एसडीओपी एवं थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई है। लांजी अनुभाग के पुलिस बल के साथ रक्षित केंद्र बालाघाट से अतिरिक्त बल भी लगाया गया है। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। धाम परिसर और आसपास के मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारी भी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखेंगे, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन और जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। श्रावण सोमवार के अवसर पर कोटेश्वर धाम परिसर में विभिन्न शिवभक्तों और सामाजिक समितियों द्वारा महाप्रसादी का आयोजन भी किया जाएगा। भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के बाद श्रद्धालु महाप्रसादी ग्रहण करेंगे। श्रावण के दूसरे सोमवार को कोटेश्वर धाम में आस्था, भक्ति, सेवा और सनातन परंपरा का भव्य नजारा देखने को मिलेगा। पुलिस-प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित एवं सुगम दर्शन सुनिश्चित करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

महाकाल के दर्शन कर लौट रहे सात दोस्त रास्ते में हुए हादसे का शिकार, 6 युवकों की दर्दनाक मौत

वडोदरा । मध्यप्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन हाईवे पर रविवार दोपहर करीब एक बजे हुए भीषण सड़क हादसे में वडोदरा के छह युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा पंचकवासा गांव के पास हुआ, जहां गलत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रोले ने मारुति ईको कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार छह युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। जानकारी के अनुसार, वडोदरा शहर के सात युवक रविवार को मारुति ईको कार से उज्जैन स्थित विश्वप्रसिद्ध भगवान महाकालेश्वर के दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सभी दोस्त खुशी-खुशी अपने घर वडोदरा लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब एक बजे उनकी कार धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर पंचकवासा गांव के समीप पहुंची। बताया जा रहा है कि इसी दौरान सामने से गलत दिशा यानी रॉन्ग साइड में तेज रफ्तार से आ रहा ट्रोला अनियंत्रित होकर उनकी कार से जा भिड़का। आमने-सामने हुई टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार छह युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। भीषण दुर्घटना के बाद हाईवे पर अफरातफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही धार जिले की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल बदनावर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे की खबर जैसे ही वडोदरा में युवकों के परिवारों तक पहुंची, वहां मातम छा गया।

शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा? एथेनॉल विरोध पर भड़के सांसद मिश्रा

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा अपने विवादित बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। रीवा एयरपोर्ट पर नई उड़ानों के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का विरोध करने वालों पर हमला बोला। सांसद मिश्रा ने मंच से गुस्से में कहा कि आंदोलन हो रहा है कि एथेनॉल नहीं चलेगा, शुद्ध पेट्रोल चलेगा। क्या शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?

कार्यक्रम में देश की आर्थिक स्थिति और एथेनॉल नीति पर बात कर सांसद ने इसके मिश्रण का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत में केवल 20 प्रतिशत कच्चे तेल का ही उत्पादन होता है, जबकि बाकी 80 प्रतिशत तेल का आयात करता है। वैश्विक युद्ध और तनाव के हालात के कारण तेल आपूर्ति बाधित हो रही है और जहाजों को 18 हजार किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर काटना पड़ रहा है। इसतरह के हालात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने की पहल पर विरोध प्रदर्शन करना पूरी तरह गलत है। सांसद मिश्रा ने दुनिया के अन्य देशों का हवाला देकर बताया कि ब्राजील में 100 प्रतिशत एथेनॉल से गाड़ियां चल रही हैं और वहां कोई तकनीकी समस्या नहीं आती है। भारत के ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों और मैकेनिकों का भी मानना है कि एथेनॉल से इंजन को कोई नुकसान नहीं पहुंचता, फिर भी इसका बेवजह विरोध किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन की सराहना कर सांसद ने दावा किया कि आज दुनिया में सबसे कम महंगाई दर और सबसे अधिक रोजगार भारत में ही उपलब्ध हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र की प्रगति का जिक्र कर कहा कि देश अब 38,000 करोड़ रुपये के सैन्य साजो-सामान और हथियारों का निर्यात कर रहा है। सांसद ने अंत में जनता से अपील की कि वे देश की आत्मनिर्भरता और विकास नीतियों का समर्थन करें।

एक ही रात, एक ही मोहल्ले में, आधा दर्जन से अधिक वाहनों की बैटरी चुरा ले गए अज्ञात चोर

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी की काली करतूत, ऑटो से लेकर पिकअप और टाटा मैजिक तक को बनाया निशाना, वाहन मालिकों ने कोतवाली पहुंचकर सौंपा आवेदन; रात्रि गश्त पर भी उठे सवाल, नगर के वार्ड नं 24 का मामला, जांच में जुटी पुलिस

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है जिस पर अंकुश लगाना पुलिस प्रशासन के लिए टेड़ी खीर साबित हो रहा है। पिछले कुछ दिनों से चोरी की वारदातों का सिलसिला नहीं थम रहा है। नगर में आए दिनों हो रही चोरी की इन वारदातों के बीच, बीती रात की किन्ही अज्ञात चोरों ने नगर के वार्ड नंबर 24 में अपना जलवा दिखाते हुए एक ही रात में एक ही मोहल्ले में खड़े आधा दर्जन से अधिक वाहनों की बैटरी चुराकर, मौके से फरार हो गए। जिनकी यहां काली करतूत परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।बताया गया कि शनिवार रात बारिश के कारण मोहल्ला सुनसान था और अधिकांश लोग अपने घरों में थे।इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने कुछ ही दूरी के दायरे में खड़े अलग-अलग वाहनों की बैटरियां एक के बाद एक निकाल लीं, और बैटरी लेकर फरार हो गए जिसकी शिकायत रविवार को पीड़ितों द्वारा कोतवाली थाने में की गई है।

बैटरियां चुराकर, कांधे में ले जाता दिख रहा संदिग्ध

बताया गया कि घटना की अगली सुबह रविवार को जब वाहन मालिक अपने घरों से बाहर निकले और वाहनों को देखा तो कई गाड़ियों से बैटरियां गायब थीं। जहां हर कोई वाहन मालिक बैटरी चोरी जाने की शिकायत कर रहा था जिसकी जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पीडित वाहन मालिकों ने कोतवाली थाना पहुंचकर पुलिस को आवेदन सौंपा और अज्ञात बैटरी चोर की तलाश कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वाहन मालिकों ने पुलिस को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी उपलब्ध कराए हैं। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति वाहन से बैटरी निकालकर उसे अपने कंधे पर रखकर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है।

ऑटो, टाटा मैजिक और पिकअप को बनाया निशाना

अज्ञात चोर ने वार्ड क्रमांक-24 में अलग-अलग स्थानों पर खड़े वाहनों को निशाना बनाया। कुछ ही दूरी के अंतराल में खड़े ऑटो, टाटा मैजिक और पिकअप वाहनों की बैटरियां चोरी कर ली गईं। एक ही रात में इतनी बड़ी संख्या में वाहनों की बैटरियां चोरी होने से वाहन मालिकों में नाराजगी है।

रेकी की बाद दिया वारदात को अंजाम

आशंका जताई जा रही है कि चोर ने पूरी तरह रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया है। उसे पता था कि बारिश के कारण रात में आवाजाही कम रहेगी और लोग घरों में रहेंगे। इसी का फायदा उठाते हुए उसने एक के बाद एक वाहनों की बैटरियां निकाल लीं।इस घटना से अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्षेत्र में बैटरी चोर लगातार सक्रिय हैं और उन्हें वाहनों को निशाना बनाने में किसी तरह का डर नहीं है।

बारिश बनी चोर के लिए मौका, मोहल्ले में दहशत

शनिवार रात हुई बारिश ने जहां लोगों को घरों से बाहर निकलने से रोक दिया, वहीं इसी का फायदा चोर ने उठाया। सुबह जब एक के बाद एक वाहनों से बैटरियां गायब मिलने लगीं तो लोगों को घटना की गंभीरता का पता चला। फिलहाल वार्ड-24 के वाहन मालिकों में चोरी की इस घटना को लेकर दहशत और नाराजगी दोनों हैं।

सीसीटीवी में कैद हुई चोर की हरकत

वाहन मालिकों द्वारा पुलिस को उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति वाहन के पास पहुंचता दिखाई दे रहा है। फुटेज में वह वाहन से बैटरी निकालता है और फिर उसे अपने कंधे पर रखकर वहां से निकल जाता है। पुलिस अब इसी फुटेज को अहम सुराग मानकर संदिग्ध की पहचान करने में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान कर लेती है तो चोरी की अन्य घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है। साथ ही यह भी पता लगाया जा सकता है कि चोरी की बैटरियां कहां खपाई जा रही हैं और इस मामले में कोई गिरोह सक्रिय है या नहीं।

एक ही रात में कई वारदात, रात्रि गश्त पर सवाल

वार्ड न-24 में एक ही रात में कई वाहनों की बैटरियां चोरी होने की घटना ने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि चोर एक ही इलाके में घूम-घूमकर कई वाहनों से बैटरियां निकाल रहा था, तो रात में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों की नजर उस पर क्यों नहीं पड़ी ? बारिश की रात में सड़कें और गलियां सुनसान होने के बावजूद चोर ने बेखौफ होकर कई वाहनों को निशाना बनाया। इससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इन वाहन मालिकों की बैटरियां चोरी

पीड़ित वाहन मालिकों में अकरम खान, शाबीर अली, कृष्णा वाघाड़े, नानकराम राउत, श्रीकांत चौरागढ़े, राजेश मंडलवार सहित अन्य लोग शामिल बताए जा रहे हैं। सभी ने पुलिस से मामले की जांच कर जल्द से जल्द चोर को गिरफ्तार करने और चोरी की गई बैटरियां बरामद करने की मांग की है।

नई बैटरी भी नहीं बची, दूसरी बार बनाया निशाना- अकरम

आवेदन देने कोतवाली पहुंचे अकरम खान ने बताया कि मोहल्ले में रहने वाले शकील खान की नई पिकअप से एक अगस्त को बैटरी चोरी हुई थी। इसके बाद उन्होंने वाहन में नई बैटरी लगवाई, लेकिन चोरों ने उसे भी नहीं छोड़ा और दोबारा नई बैटरी चोरी कर ली। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।

पुलिस ने शुरू की जांच, फुटेज से तलाश तेज

मामले की सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। फुटेज में दिखाई दे रहे संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करने के साथ ही पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात में एक ही व्यक्ति शामिल था या उसके साथ अन्य लोग भी थे।बताया गया कि पुलिस अब चोरी की गई बैटरियों की संभावित बिक्री और खपत के स्थानों की भी जानकारी जुटा सकती है। यदि संदिग्ध की पहचान होती है तो उससे पूछताछ के बाद क्षेत्र में हुई बैटरी चोरी की अन्य घटनाओं का भी खुलासा होने की उम्मीद है।

पुरानी रंजिश में दो बार भिड़े युवक, चाकूबाजी और मारपीट में चार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच दो अलग-अलग घटनाओं में विवाद, चाकूबाजी और मारपीट हो गई। इन घटनाओं में चार युवक घायल हुए हैं। सभी घायलों का उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।जिनमें आयुष पिता गणेश निवारी 18 वर्ष ग्राम नेतरा संजय उर्फ संजू श्याम पिता कमल श्याम 27 वर्ष ग्राम गायखुरी थाना कोतवाली बालाघाट के अलावा सौरभ वघाडे 20 वर्ष और प्रदीप लिल्हारे शामिल है।

पहली घटना गायखुरी पुल के पास हुई

जानकारी के अनुसार 9 अगस्त को 2:00 बजे करीब ग्राम नेतरा निवासी आयुष नेवारे अपने साथी साहिल सोनवाने और आदित्य कावड़े के साथ मोटरसाइकिल से गर्रा रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान गायखुरी पुल के पास संजय उर्फ संजू सैयाम अपने दो साथियों के साथ मिला। बताया जाता है कि पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान संजू के एक साथी ने चाकू निकालकर आदित्य कावड़े के पेट में वार कर दिया। आयुष नेवारे बीच-बचाव करने लगा। हालांकि घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। विवाद के बाद सभी कोतवाली पहुंचे।जहां पुलिस ने समझाइश देकर उन्हें छोड़ दिया।

दूसरी घटना मोती गार्डन के पास हुई

पहली घटना के बाद शाम को आयुष नेवारे, साहिल सोनवाने और आदित्य कावड़े कोतवाली के समीप मोती गार्डन पहुंचे थे। आरोप है कि वहां संजू सैयाम अपने दो साथियों के साथ पहुंचा और साहिल तथा आदित्य का कॉलर पकड़कर मारपीट करने लगा। आयुष नेवारे बीच-बचाव करने पहुंचा तो उसके सिर पर कुल्हाड़ी जैसे धारदार सामान से वार कर दिया गया।इस मारपीट में संजू सैयाम और प्रदीप लिल्हारे को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद सभी घायलों को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया।जहां उनका उपचार किया गया।बताया जा रहा है कि दोनों घटनाएं आपसी पुरानी रंजिश से जुड़ी हैं। जिला अस्पताल पुलिस ने आयुष नेवारे और संजू सैय्याम का बयान लेकर इस मामले को कोतवाली भिजवा दिया है मामले में पुलिस द्वारा घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

मोबाइल की किस्त नहीं चुकाई तो किया ब्लॉक : विवाद में भिड़े महिला और युवक

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के लगाए आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के टाउनशिप मलाजखंड में मोबाइल की किस्त जमा नहीं करने और मोबाइल ब्लॉक किए जाने को लेकर महिला और एक व्यक्ति के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर मलाजखंड पुलिस ने गीता पति मोसेस जेम्स 36 वर्ष टाउनशिप मलाजखंड और सुनील पिता अशोक भटनागर 47 वर्ष ग्राम नेवर गांव थाना मलाजखंड के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी कर अनुसार टाउनशिप मलाजखंड निवासी गीता जेम्स ब्यूटी पार्लर का काम करती हैं। वहीं ग्राम नेवरगांव निवासी सुनील भटनागर निजी नौकरी करते हैं। दोनों के बीच अच्छी जान पहचान होने के कारण गीता जेम्स ने अपने नाम से किस्त पर मोबाइल लिया था और सुनील भटनागर को उपयोग के लिए दिया था। आरोप है कि सुनील द्वारा मोबाइल की किस्त जमा नहीं की जा रही थी।जिसके चलते गीता जेम्स ने मोबाइल को ब्लॉक करवा दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनी।बताया गया कि 8 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे गीता जेम्स अपने बच्चों के साथ घर पर खाना बना रही थीं।जबकि उनके पति बाहर गए हुए थे। इसी दौरान सुनील भटनागर उनके घर पहुंचा और मोबाइल ब्लॉक करवाने को लेकर सवाल करने लगा। गीता ने कथित तौर पर कहा कि जब तक मोबाइल की किस्त जमा नहीं की जाती, तब तक वह मोबाइल का ब्लॉक नहीं खुलवाएंगी।गीता जेम्स ने आरोप लगाया कि इस बात से नाराज होकर सुनील ने उनका मोबाइल छीनकर फेंक दिया। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी होने लगी और दोनों ने एक-दूसरे को अश्लील गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। गीता ने सुनील पर हाथ-बुक्कों और लातों से मारपीट करने का आरोप लगाया। जिससे उनकी हाथ की चूड़ियां टूट गईं।वहीं सुनील भटनागर ने अपनी शिकायत में गीता जेम्स पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया। विवाद के दौरान पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। जिसके बाद दोनों पक्ष शिकायत लेकर मलाजखंड थाने पहुंचे।मलाजखंड पुलिस ने दोनों पक्षों का अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण एवं मुलाहिजा कराया। दोनों की शिकायतों के आधार पर पुलिस ने अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पृथक-पृथक प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस द्वारा दोनों मामलों की विवेचना की जा रही है।

जहरीले सांप के डंसने से 61 वर्षीय महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात जहरीले सांप के डंसने से 61 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन महिला को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां हालत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सक की सलाह पर वापस जिला अस्पताल लाने के दौरान उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतिका फुलकेश्वर पति लोकचंद नागेश्वर 61 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा निवासी फुलकेश्वर बाई नागेश्वर अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करती थीं। परिवार में उनके पति के अलावा दो बेटे और एक बेटी हैं। बड़े बेटे और बेटी का विवाह हो चुका है तथा सभी परिवार के सदस्य साथ रहते हैं। बताया गया कि 8 अगस्त की रात करीब 8:30 बजे फुलकेश्वर बाई परिवार के साथ खाना खाने के बाद सो गई थीं। रात करीब 12:30 बजे उन्हें कमर के ऊपर किसी कीड़े के काटने जैसा महसूस हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी अपने पति को दी। आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी जाग गए और कमरे में रोशनी कर देखा तो वहां एक जहरीला डांडेकर सर्प मौजूद था। परिजनों ने तत्काल सांप को मार दिया।इसके बाद परिजन फुलकेश्वर बाई को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। जहां उनका उपचार शुरू किया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बालाघाट नगर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि निजी अस्पताल के चिकित्सक ने उन्हें पुन: जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन जब उन्हें वापस जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने मृतिका फुलकेश्वर बाई के शव को अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया। 9 अगस्त की सुबह पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना बालाघाट भेज दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट